दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 07 जुलाई 2025

सूर्योदय प्रात: 05 :30 बजे

सूर्यास्त सांय 19 : 23 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 कृत्रिम बुद्धिमता : नवाचार की उड़ान या बौद्धिक चोरी का यंत्र?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 262 | गाजियाबाद, सोमवार 07 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस, आईएमडी ने जारी किया 'येलो' अलर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.8 डिग्री कम 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने दिल्ली के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है और कहा है कि शहर में गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। विभाग के मुताबिक, अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 80 प्रतिशत दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 82 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

केरल में निपाह वायरस का प्रकोप, निगरानी में 425 लोग

✷ वेबवार्ता. तिरुवनंतपुरम ✷। केरल में निपाह वायरस के नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने 425 लोगों को निगरानी में रखा है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि सबसे ज्यादा 228 लोग मलप्पुरम जिले में, 110 पलक्कड़ में और 87 कोझिकोड में निगरानी में हैं। एक व्यक्ति का टेस्ट नेगेटिव आया है। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी व रोकथाम के उपाय तेज कर दिए गए हैं। मलप्पुरम में वायरस के सोर्स का पता लगाने और इसके प्रसार को रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मक्करापारंबा, कुरुवा, कूट्टिलंगडी और मंकदा पंचायतों के 20 वार्डों में 65 टीमों ने 1,655 घरों का दौरा किया। डॉ. एन.एन. पमेला की अगुआई में यह सर्वे हुआ, जिसमें सी.के. सुरेश कुमार, एम. शाहुल हमीद और महामारी विशेषज्ञ डॉ. किरण राज भी शामिल थे। रिपोर्ट जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेनुका को सौंपी गई।

अमरनाथ यात्रा : अब तक 21,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पिछले तीन दिनों में करीब 48,000 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की। रविवार को 7,208 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 21,000 से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि रविवार को 7,208 यात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा, "पहला सुरक्षा काफिला तीर्थयात्रियों को उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप ले जा रहा है, जबकि दूसरा सुरक्षा काफिला यात्रियों को दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप ले जा रहा है।" वार्षिक तीर्थयात्रा के मामलों का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के 'भगवती नगर यात्री निवास' आने वाले यात्रियों के अलावा, कई यात्री मौके पर पंजीकरण के लिए सीधे बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप में रिपोर्ट कर रहे हैं।

एफ-35बी फाइटर जेट की मरम्मत के लिए तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पहुंची यूके की इंजीनियरिंग टीम

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम, 06 जुलाई (वेब वार्ता)। ब्रिटिश उच्चायोग ने शनिवार को बताया कि यूके की एक इंजीनियरिंग टीम तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पहुंच गई है। यह टीम आपातकालीन लैंडिंग करने वाले ब्रिटेन के एफ-35बी फाइटर जेट का आकलन और उसकी मरम्मत का कार्य करेगी। इस फाइटर जेट ने 14 जून को तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की थी।

भारत और अर्जेन्टीना ने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और

अंतरिक्ष में सहयोग पर की चर्चा

✷ वेबवार्ता. ब्यूनस आयर्स/नयी दिल्ली ✷

अर्जेन्टीना की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार रात यहां अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ द्विपक्षीय वार्ता में व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, स्टार्टअप, कृषि और फार्मा में सहयोग के नए क्षेत्रों संभावनाओं पर चर्चा की।

अर्जेन्टीना के राष्ट्रपति के कासा रोसाडा कार्यालय में हुई बैठक को सार्थक बताते हुए श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, " अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ शानदार बैठक हुयी। हम भारत-अर्जेंटीना राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने और अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदलने के पांच साल पूरे होने के अवसर को मना रहे हैं। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन हम इस बात पर सहमत हैं कि आगे की यात्रा और भी अधिक आशाजनक है!"

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति माइली के साथ व्यापारिक संबंधों, कृषि, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढाने के तरीकों पर चर्चा हुयी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच फार्मास्यूटिकल्स और खेल जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

बाद में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, " रणनीतिक संबंधों को और प्रगाढ बनाना है! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में कासा रोसाडा में राष्ट्रपति जेमिली के साथ प्रतिनिधिमंडल श्तर की वार्ता की। " उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ उनके मजबूत समर्थन और एकजुटता के लिए राष्ट्रपति मिली को धन्यवाद दिया। ब्यूनस आयर्स में हुई यह बैठक 1968 के बाद से अर्जेंटीना की धरती पर दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच पहली औपचारिक द्विपक्षीय बैठक है। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का तत्कालीन राष्ट्रपति जुआन कार्लोस ओंगानिया ने स्वागत किया था।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) पी कुमारन ने द्विपक्षीय वार्ता के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि वार्ता से पहले कासा रोसाडा में प्रधानमंत्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया।

दोनों नेताओं के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल श्तर की वार्ता हुयी। वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की। दोनों नेताओं ने व्यापार और वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के विश्तार में अर्जेंटीना के समर्थन का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस विश्तार से दोनों पक्षों को परस्पर लाभ मिल सकता है और नए अवसर खुल सकते हैं। दोनों नेताओं ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में भी रुचि व्यक्त की। उन्होंने महसूस किया कि वे सहयोग बढ़ाने और पारस्परिक रणनीतिक हित में योगदान देने के लिए अपने-अपने अनुभवों और क्षमताओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने एक-दूसरे के कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र में उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और प्रौद्योगिकी साझा करने के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने अपनी टीमों को जल्द से जल्द कृषि पर संयुक्त कार्य समूह की बैठक बुलाने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा और औषधि क्षेत्र में भारत की ताकत विशेष रूप से उच्च गुणवत्ता वाली सश्ती दवाओं का उत्पादन करने की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत को अर्जेंटीना के फार्मास्युटिकल विनियामक ढांचे के अनुलग्नक दो से अनुलग्नक एक में स्थानांतरित करने की संभावना पर चर्चा की। इससे अर्जेंटीना के बाजार में भारतीय दवा उत्पादों के सुगम प्रवेश की सुविधा बनेगी।

उन्होंने टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य , प्रशिक्षण और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से क्षमता निर्माण में पहल पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बढ़ती ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को रेखांकित किया और इस बात पर जोर दिया कि अर्जेंटीना भारत की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में काम कर सकता है।

यूपी : कोर्ट में लंबित चालानों का ऑनलाइन ऐप के माध्यम से भुगतान कर सकेंगे वाहन मालिक

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में लंबित ई-चालानों का भुगतान अब वाहन मालिक ऑनलाइन कर सकेंगे। कोर्ट में विचाराधीन ई-चालानों का निश्तारण कराने के लिए अब समन शुल्क के भुगतान के लिए पे-नाओ ऐप के माध्यम से ऑनलाइन की सुविधा आरंभ की गई है।

नई प्रणाली से इनके निश्तारण में तेजी आएगी। यातायात निदेशालय के अधिकारियों के अनुसार, वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए यह पहल की गई है। बता दें कि कोर्ट में साढ़े तीन करोड़ से अधिक ई-चालान लंबित हैं।

लखनऊ यातायात पुलिस के डीसीपी कमलेश दीक्षित ने बताया कि पहले पुलिस की ओर से किए गए चालान को तीसरे दिन कोर्ट में भेज दिया जाता था। कोर्ट में ई-चालान लंबित होने की वजह से वाहन मालिकों को नोटिस जारी होने का इंतजार करना पड़ता था। अब इसके लिए प्रबंध किया गया है। पे-नाउ ऐप के माध्यम से यह सुविधा प्रदान की गई है कि बीच में ही वाहन मालिकों की ओर से समन शुल्क जमा किया जा सकता है। इससे वाहनों की खरीद बिक्री में भी जो अड़चन आती थी वो दूर हो जाएगी, क्योंकि चालान होने की वजह वाहनों की बिक्री में दिक्कत आती थी। इस ऐप के माध्यम से एक बड़ी सुविधा वाहन मालिकों को दी गई है।

डीसीपी कमलेश दीक्षित ने बताया कि पहले चालान जमा करने का कोई उचित माध्यम नहीं था। पे-नाउ ऐप ने ये यह सुविधा प्रदान की है कि लोग शीघ्रता से चालान राशि जमा कर सकते हैं। इस ऐप के जरिए चालान को तत्परता से जमा करने में वाहन स्वामी को सहूलियत मिल जाएगी।

बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया अब बदलाव जरूरी : राहुल गांधी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा।

गोपाल खेमका हत्याकांड को आधार बनाकर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को 'भारत की क्राइम कैपिटल' बना दिया है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, "पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को 'भारत की क्राइम कैपिटल' बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम।"

उन्होंने आगे लिखा, "बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली – एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का – जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।"

बता दें कि शुक्रवार देर रात अपराधियों ने जाने-माने उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या कर दी। वारदात गांधी मैदान थाना क्षेत्र में रामगुलाम चौक के पास हुई। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई है। इस घटना से व्यवसायी गुस्से में हैं।

बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने रविवार को दावा किया कि अगले एक-दो दिनों में इस हत्याकांड की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पटना और वैशाली जिलों में रात भर पुलिस की कई टीमें अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी करती रहीं। इस दौरान दर्जन भर से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे फिलहाल पूछताछ जारी है।

गोपाल खेमका पर गोली चलाने वाले हमलावर को घटनास्थल के अलावा शहर के अन्य हिस्सों में लगे सीसीटीवी में भी ट्रैक किया गया है। हमलावर की मोटरसाइकिल की पहचान कर ली गई है, लेकिन हेलमेट पहनने के कारण उसके चेहरे की स्पष्ट पहचान नहीं हो पाई है।

'किसान संगठनों को सरकार के अमेरिका से व्यापार समझौते में अपने हितों का ध्यान रखने की उम्मीद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय कृषक समाज (बीकेएस) के बैनर तले रविवार को राजधानी में आयोजित एक सम्मेलन में विभिन्न प्रांतों जुटे किसान नेताओं ने भारत और अमेरिका कृषि क्षेत्र की वश्तुस्थिति में जमीन-आसमान का फर्क बताते हुए उम्मीद जतायी कि भारत सरकार देश के साथ ऐसा कोई समझौता नहीं करेगी जो भारतीय किसानों के हित के विरुद्ध होगा।

अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के नतीजों की घोषणा से ठीक पहले आयोहित इस सम्मेलन में नेताओं ने कहा कि भारत में कृषि, पशुपालन, मधुमक्खी पालन जैसे कार्य देश के किसानों की आजीविका के स्रोत है। भारत के किसानों को पश्चिम के किसानों के साथ खुली स्पर्धा के लिए छोड़ना भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन के लिए संकट पैदा कर सकता है। वक्तओं ने अमेरिका से जीएम (कृतृम तरीके से आनुवांशिक संशोधन से उत्पन्न फसलों) के आयात को खोलेने के खतरे को भी रेखांकित किया।

बीकेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णबीर चौधरी, किसान नेता एवं राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय समन्वयक एवं अध्यक्ष सरदार बीमा सिंह, भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय मंत्री सोमदत्त शर्मा, स्वदेशी जागरण मंच के दीपक शर्मा, बीके एस के राष्ट्रीय महासचिव हातम सिंह नागर, किसान मजदूर यूनियन के नेता वीर महेंद्र प्रकाश, बीकेएस की कश्मीर इकाई के अध्यक्ष एमवाई ज़गर, पश्चिम बंगाल के किसान नेता अरुण मुखर्जी, पीजेंट्स वेलफेयर एशोसिएशन के अशोक बालियान , किसान नेतान धर्मेंद्र मलिक और अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

बीकेएस अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि भारत में 86 प्रतिशत किसानों की कृषि जोत एक हेक्टर से कम है जबकि अमेरिका में किसानों की औसत जोत का आकार 180 हेक्टेयर है और उन्हें भारी सरकारी सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, ' हमें विश्वास है कि सरकार मजबूत है, यह कोई ऐसा समझौता नहीं करेगी जो देश और देश के किसानों के हित में न हो। " सरदार बीएम सिंह ने कहा, 'भारत और अमेरिका के बीच अंतर इतना बड़ा है और सब्सिडी का अंतर इतना विशाल है कि वहां के साथ बराबरी का सौदा हो ही नहीं सकता।'

बीकेएस की कश्मीर इकाई के अध्यक्ष श्री ज़गर ने कहा, 'हमारे फल किसी भी देश से आयातित फल से अधिक मीठे और स्वादिष्ट हैं। हमारी खेती-बाड़ी और बागवानी हमारे माफिक चलनी चाहिए।' उन्होंने विश्व जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार देश के किसानों के हित का फैसला ही करेगी।

सदन के बाहर राजनेताओं के आपसी संबंध आज के समान कटु नहीं बल्कि मधुर होते थे-सुमित्रा

✷ वेबवार्ता. जयपुर ✷

राजस्थान विधानसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने विधानसभा में सदन के बाहर राजनेताओं के आपसी संबंध आज के समान कटु नहीं बल्कि मधुर बताते हुए कहा है कि विपक्ष के नेता अनुभवी मुख्यमंत्रियों को भी विधानसभा में कठघरे में खड़ा कर देते थे लेकिन सदन के बाहर सभी राजनेताओं में मधुर संबंध रहे हैं।

श्रीमती सुमित्रा सिंह रविवार को यहां पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुश्तक "एक विफल राजनीतिक यात्रा" का विमोचन करने के बाद आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सदन के बाहर राजनेताओं के आपसी संबंध आज के समान कटु नहीं बल्कि मधुर होते थे और दिग्गज नेता भैरोंसिंह शेखावत विपक्ष में रहते सुखाड़िया जैसे अनुभवी मुख्यमंत्रियों को भी विधानसभा में कठघरे में खड़ा कर देते थे लेकिन सदन के बाहर उनके सभी राजनेताओं से मधुर संबंध रहे।

उन्होंने कहा कि श्री व्यास ने नौवीं विधानसभा के कार्यकाल में भैरों सिंह शेखावत के दामाद के मामले में उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी लेकिन जब व्यास विशेषाधिकार हनन के एक मामले में सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा महाभारत के अभिमन्यू की तरह चारों ओर से घिर गये तो भी अपने सिद्धांतों से समौता नहीं किया और माफी नही मांगी, ऐसी स्थिति में भी श्री शेखावत ने श्री व्यास की सदस्यता रद्द नहीं होने दी। इस अवसर पर श्री व्यास ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के बीच आपसी सहयोग के अनकहे समझौते की परंपरा रही है और उन्होंने इस पुश्तक में ज्वलंत उदाहरण देकर ऐसे समझौतों को सिद्ध करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने इस ओर संकेत किया कि गत दिनों पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से वर्तमान मुख्यमंत्री को बदलने की सुगबुगाहट का जो समाचार छपा है वह इसी परंपरा की और इशारा करता है।

हिमाचल में रेड अलर्ट के बीच मंडी में फिर फटा बादल, 9 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी

✷ वेबवार्ता. शिमला ✷

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कोहराम जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच आज सुबह से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मूसलाधार वर्षा हो रही है। मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर सहित 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है।

इन 9 जिलों चम्बा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी के लोगों को प्रशासन ने अत्यधिक सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की हिदायत दी है।

मंडी में फिर फटा बादल, दो पुलिया बही

इस बीच मंडी जिला में एक बार फिर बादल फटने की घटना ने दहशत फैला दी। पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलिया बह गई।

गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। डीएसपी पधर देवराज ने इसकी पुष्टि करते हुए आज सुबह बताया कि मौके पर प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है।

24 घंटे : सबसे ज्यादा बारिश कांगड़ा में

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक वर्षा कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियाँ में 102 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा ऊना में 62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और

ब्राजील में मोदी का भव्य स्वागत, 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रस्तुति रही खास

✷ वेबवार्ता. रियो डी जेनेरियो ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे। इस दौरान वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और एक राजकीय यात्रा भी करेंगे।

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर भारतीय प्रवासी ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे पीएम मोदी का पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक प्रश्तुतियों और देशभक्ति से भरे चित्रों से स्वागत किया गया। लोगों ने हाथों में तिरंगा लिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस स्वागत में सबसे खास बात 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रश्तुति रही।

यह भारत की ओर से पाकिश्तान स्थित आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे एक निर्णायक अभियान पर आधारित प्रश्तुति थी, जिसे नृत्य और चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया। प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत पेंटिंग और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित नृत्य के साथ किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वागत समारोह में प्रश्तुति देने वाली भारतीय महिला नर्तकियों से मुलाकात की।

नर्तकियों में से एक ने कहा, "मोदी हमारे लिए बड़े भाई जैसे हैं। हमारे लिए यह बहुत गर्व की बात है कि वे यहां आए। हमारी प्रश्तुति को उन्होंने बहुत धैर्यपूर्वक देखा, हमसे बातचीत की और इसकी बहुत सराहना की। हमने अपने बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने और भारत माता का सम्मान करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अपनी थीम के रूप में चुना था।"

कावड़ यात्रा की सुरक्षा का जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने लिया जायजा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। श्रावण मास का आगाज़ हो चुका है... और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजने को तैयार है। उत्तर भारत का कांवड़ मार्ग... में कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के साथ मिलकर... निरीक्षण किया गया नूरपुर, हल्दौर और नहटौर जैसे मुख्य मार्गों का। सुरक्षा के लिए होंगे सीसीटीवी और AI कैमरे... सतत निगरानी की रहेगी विशेष व्यवस्था। अधिकारियों को दिए गए निर्देश — कोई चूक नहीं होगी बर्दाश्त। स्वास्थ्य, नगर निकाय, बिजली, खाद्य सुरक्षा, वन और सड़क विभाग सभी को निर्देशित किया गया है कि श्रद्धालुओं को न हो कोई असुविधा। व्यवस्था होनी चाहिए सुचारु और सुव्यवस्थित।

डीएम जसजीत कौर का स्पष्ट संदेश

श्रवण कांवड़ यात्रा जिले की प्रतिष्ठा का विषय है, इसे शांतिपूर्वक और भव्यता के साथ सफल बनाना हमारी प्राथमिकता है।कांवड़ यात्रा सिर्फ आस्था नहीं, जिम्मेदारी भी है... और बिजनौर प्रशासन तैयार है पूरी मुश्तैदी के साथ।

पारिवारिक कलह में विवाहिता ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत बिगड़ी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। एक विवाहिता के जहरीले पदार्थ के सेवन से उसकी हालत बिगड़ गई।मायकेवालों ने ससुरालियों पर जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाया है।मायकेवालों ने विवाहिता को बिजनौर के एक नीजि अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव महमूदपुर मिलक उर्फ बच्चेवाला में एक विवाहिता की जहरीले पदार्थ का सेवन से हालत बिगड़ गई। पता चलने पर मायकेवाले विवाहिता के ससुराल पहुंचे। विवाहिता के भाई ने आरोप लगाया कि उसकी बहन को ससुरालियां पूर्व से ही तरह तरह से तंग करते चले आ रहे थे और जान से मारने की फिराक में लगे हुए थे। शनिवार की सुबह बहन की हालत के बारे में पता चलने पर वह उसके मायके पहुंचे।गंभीर हालत में उसे नहटौर के सीएचसी में ले गए। हालत को देखते हुए सरकारी अस्पताल में इलाज करने से इंकार कर दिया। उसके बाद बिजनौर के एक नीजि अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

बाबूजी वास्तव में दलित समाज के बहुत बड़े हितेषी थे: बंसल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। पूर्व उप प्रधानमन्त्री स्व० बाबू जगजीवन राम जी की "पुण्यतिथि" पर उन्हें हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रभारी व पूर्व विधायक विवेक बंसल के कार्यालय अयोध्या कुटी मैरिस रोड भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विवेक बंसल ने कांग्रेसजनों के साथ बाबू जगजीवन राम जी के चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। विवेक बंसल ने उनको अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबूजी वास्तव में दलित समाज के बहुत बड़े हितेषी थे, दलितों के उत्थान के लिए उन्होंने सदैव समाज को प्रेरित किया। केंद्र सरकार में रक्षामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर कार्य करते हुए अपनी उल्लेखनीय सेवायें दी उनकी सेवाओं के लिए उन्हें सदैव सम्मानपूर्वक याद किया जायेगा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख कांग्रेसजनों में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह, शहर अध्यक्ष नवेद खान, पूर्व अध्यक्ष हाजी नौशाद कुरैशी, विश्वम्भर सिंह, पूरनचंद देशमुख, सेवादल जिलाध्यक्ष आलोक गौड़, शाहरुख़ खान, कैलाश बाल्मीकि, आमिल हुसैन, डूंगर सिंह, शाहिद खान, सलाउद्दीन वसी, ओमप्रकाश, लाखन सिंह आर्य, जितेन्द्र कुमार सिंह तोशी, बिजेंद्र सिंह बघेल, गोपाल मिश्रा, प्रदीप रावत, पन्नालाल सुमन, ज्ञान सिंह दिवाकर, आनंद बघेल, संजय यादव, कैलाश गौतम, नरेन्द्र मिश्रा, हेमेन्द्र पाल सिंह, सुमित कुमार कालू, राजू सोल्जर, मोहम्मद मुजीब, मनोज श्रोती, सोमेश चौहान, गगन बघेल, पिंकू बघेल, आदि मौजूद रहे।

हाईटेंशन लाइन से मजदूर की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। तहसील खैर क्षेत्र के गांव सोफा की नगरिया में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। नवनिर्मित मकान पर मजदूरी कर रहे नीरज की हाईटेंशन लाइन के करंट से मौत हो गई। नीरज, जो देवेंद्र सिंह का पुत्र था, अपने गांव में ही मजदूरी कर रहा था। काम के दौरान उसके हाथ में पकड़ी लोहे की सरिया 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। मकान मालिक और ग्रामीणों ने तुरंत नीरज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैर पहुंचाया।

नर्सिंग, पैरामेडिकल और फिजियोथैरेपी कोर्स में अब नीट यूजी से एडमिशन

कोटा, एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी का एंट्रेंस टेस्ट को आयोजित कर रही है। इस परीक्षा को लेकर राजस्थान के कैंडिडेट्स के लिए बड़ी खबर है कि अब राजस्थान की बीएससी नर्सिंग, फिजियोथैरेपी और पैरामेडिकल में लैब टेक्नीशियन की ट्रेनिंग के कोर्सेज में भी नीट यूजी के जरिए ही एडमिशन मिलेंगे। इसका निर्णय राजस्थान यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंस और मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी ने ले लिया है।

इनके लिए पहले आयोजित होने वाली अलग से परीक्षा भी नहीं ली जाएगी, लेकिन नीट यूजी में आवेदन में कैंडिडेट्स को समय भी कम मिला है। यह निर्णय जब लिए गए हैं तब कई कैंडिडेट्स को तो एक सप्ताह से कम का समय मिला है। साथ ही उन्हें जानकारी भी नहीं है। आरयूएचएस व एमएमयू ने जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार बैचलर आफ नर्सिंग , बैचलर ऑफ़ फिजियोथैरेपी , पैरामेडिकल यूजी कोर्स में बैचलर का रेडिएशन टेक्नोलॉजी और बैचलर ऑफ़ मेडिकल लब टेक्नोलॉजी कोर्सेज में एडमिशन मिलेगा। इन कोर्सेस में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी केवल इंडिया रैंक के बाद मेरिट कम च्वाइस आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग के जरिए एडमिशन दिया जाएगा।

इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए इच्छुक कैंडिडेट को नीट यूजी 2025 की परीक्षा देनी होगी। नीट यूजी के परिणाम के बाद काउंसलिंग की सूचना यूनिवर्सिटी जारी कर देगी। हालांकि इस नोटिफिकेशन में यह भी बताया गया है कि इन कोर्सेज के अलावा शेष यूजी और पीजी कोर्सेज में यूनिवर्सिटी स्तर पर आयोजित की जाने वाली परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग से एडमिशन मिलेगा।

आरयूएचएस ने 28 फरवरी व एमएमयू ने 1 मार्च जारी किए नोटिफिकेशन

नीट यूजी से इन कोर्सेस में एडमिशन के लिए आरयूएचएस व एमएमयू ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। हालांकि कैंडिडेट्स के लिए कम ही समय इसको लेकर मिला है, क्योंकि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की नीट यूजी की लिए आवेदन 7 फरवरी से शुरू हो गए थे। इसके बाद ही उन्होंने निर्णय किया था और अब आवेदन खत्म होने में महज चार दिन शेष है। यह नोटिफिकेशन भी आरयूएचएस ने 28 फरवरी को जारी किया गया है, जबकि मारवाड़ यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंस ने एक मार्च को निर्णय लिया है। साथ ही 1 मार्च को ही नोटिफिकेशन जारी किया है। दूसरी तरफ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने भी नीट यूजी के आवेदन की तारीख बढ़ने से किसी तरह का इनकार किया है। उन्होंने नोटिफिकेशन भी जारी किया था।

10 रुपये के किराए को लेकर विवाद, रिक्शा चालक पर चाकू से हमला, एक गिरफ्तार

मुंबई , एजेंसी। मुंबई के पवई इलाके में 10 रुपये के किराए को लेकर शुरू हुआ मामूली झगड़ा हिंसक घटना में बदल गया। इस विवाद में एक व्यक्ति ने रिक्शा चालक पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी अभी फरार है।

यह घटना तब हुई जब रिक्शा चालक शाहनवाज शेख अपने शेयरिंग रिक्शे में यात्रियों को ले जा रहा था। शेख प्रति यात्री 30 रुपये किराया लेता है। आरोपी अवधेश सरोज अपने भाई पवन सरोज और तीन बच्चों के साथ रिक्शे में सवार हुआ। यात्रा के बाद शेख ने पांच लोगों का किराया जोड़कर 90 रुपये मांगे। लेकिन, अवधेश ने कुल किराए पर सवाल उठाया और 10 रुपये की छूट मांगते हुए सिर्फ 80 रुपये देने की बात कही। शेख ने कम पैसे लेने से इनकार कर दिया। इसी बात पर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। गुस्से में आकर अवधेश ने शेख पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। हमले के बाद अवधेश का भाई पवन मौके से भाग निकला। घायल शेख ने पास के पवई पुलिस स्टेशन पहुंचकर दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और घटना के दो दिन बाद अवधेश सरोज को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दूसरा आरोपी पवन सरोज अभी भी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

पवई पुलिस के मुताबिक, यह घटना छोटी सी बात से शुरू हुई। शेख को मामूली चोट आई है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने अवधेश के खिलाफ चाकू से हमले का केस दर्ज किया है और फरार आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। इस घटना ने इलाके में किराए को लेकर होने वाले झगड़ों पर सवाल उठाए हैं।

दलित किशोर से मारपीट, पुलिस पर वीडियो डिलीट करने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एक दलित किशोर के साथ मारपीट और बन्धक बनाने का मामला सामने आया। पीडित पक्ष किसी तरह बच्चे को छुड़ाकर थाने पहुंचे। आरोप है कि पुलिस ने घटना से सम्बंधित वीडियो फोन से जबरन डिलीट कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाए आरोपियों का पक्ष लिया। पुलिस ने पीड़ित को देर रात्रि सीएचसी इलाज के लिए भेज दिया। गांव में हुए विवाद से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंस्पेक्टर ने मामले में फैसला होने की बात कही।

अकराबाद थाना इलाके के गांव नानऊ के सुरजन सिंह ने बताया कि वह दलित हैं। शनिवार की शाम उनके भतीजे राजीव की बारात वापस आई थी। इसी बीच उनका दूसरा भतीजा दीपक पुत्र राकेश गांव में परचून की दुकान से कुछ सामान लेने गया। वहां किसी बात पर बच्चों में विवाद हो गया। आरोप है गांव के दबंग और ठाकुर पक्ष के 10 - 12 ने लोगो ने दीपक के साथ मारपीट की। साथ ही घर मे बंद कर लिया। जानकारी होने पर परिवार के लोगों ने दीपक को घर से बाहर निकाला। दोनों पक्ष में कहासुनी हो गई। दोनों पक्ष की तरफ से बच्चों के परिवार के बड़े

सदस्य एकत्र हो गए। इस दौरान पुलिस कन्ट्रोल रूम को भी फोन किया। फिर थाने आये। आरोप है कि थानेदार ने भांजे से फोन ले लिया और पुलिसकर्मी से विवाद से सम्बंधित वीडियो डिलीट कर करवा दिए। एसओ ने उनको फटकारा भी। धमकाया भी। पुलिस पर पक्षपात करने का आरोप लगाया।

इंस्पेक्टर अकराबाद ने बताया कि दुकान से सामान लेने के दौरान बच्चों में विवाद हुआ था। कल ही फैसला लिखकर दे गए। फोन से वीडियो डिलीट करने के सवाल पर कहा कि वह जुलूस में गए हुए थे। वो किसी से मिले ही नही। हम वीडियो क्यों डिलीट करवाएंगे।

घर के बाहर से भैंस चोरी

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। कोतवाली इगलास क्षेत्र के लालपुर गांव में चोरों ने एक भैंस चोरी कर ली। भू दयाल पुत्र मोहन सिंह की भैंस घर के सामने घेर में बंधी हुई थी। सुबह जब भूदयाल चारा डालने गए, तो भैंस गायब थी।

घेर की दीवार टूटी हुई मिली। एक लाख रुपए कीमत की भैंस की चोरी की सूचना पीड़ित ने कोतवाली इगलास पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं हो रही हैं। कोतवाली पुलिस समय-समय पर चोरों को पकड़कर जेल भेज रही है।

फाइनेंस मैनेजर की सड़क हादसे में हुई मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मथुरा रोड पर शनिवार रात सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार आदित्य बिरला फाइनेंस के फाइनेंस मैनेजर की मौत हो गई। पिता का आरोप है कि कार में बेटे के दोश्त भी सवार थे। जोकि हादसे के बाद लापता हैं। उन लोगों ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में शव रखवा दिया और इलाका पुलिस को हादसे की सूचना दे दी।

शहर के थाना सासनी गेट क्षेत्र के मोहल्ला कृष्णापुरी मठिया के रहने वाले रामेश्वर दयाल वार्ष्णेय ने बताया कि उनके पॉच बच्चे हैं। सभी की शादी हो चुकी है। उनका 32 वर्षीय बेटा चेतन वार्ष्णेय चार बहनों के बीच अकेला घर का चिराग था। आदित्य बिरला फाइनेंस में नौकरी करता था। 2018 में उसकी शादी हुई थी। शनिवार की दोपहर बेटा मथुरा बांके बिहारी जी के दर्शन करने निकला था। उसके साथ दो दोश्त भी थे। दर्शन करके रात्रि में सभी वापस घर आ रहे थे। इसी दौरान बेटे चेतन ने मथुरा रोड स्थित गांव जारोठ के पास कार का एक्सीडेंट होने की खबर पत्नी दिव्यांगी को फोन पर दी। राहगीर अपनी कार से चेतन को इलाज के लिए आगरा रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल लेकर आये।

बाल्मिक धर्मशाला में मनाई गई लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय रामविलास पासवान की जयंती

बिजनौर। दलितों-शोषितों के मसीहा, पिछड़ों की आवाज, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा एवं दलित सेना के संस्थापक,अध्यक्ष पद्मभूषण स्व रामविलास पासवान जी की जयंती जिले में पहली वार नगर की वाल्मीकि बश्ती स्थित धर्मशाला में बढ़े हर्षोंउल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्व रामविलास पासवान जी को स्मरण करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई।

पार्टी के जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कहा कि पद्मश्री स्वर्गीय रामविलास पासवान जी दलित, शोषित और सर्वहारा वर्ग की लड़ाई आयु पर्यंत लड़ते रहे। आज उनकी जयंती पर हम संकल्प लें कि हम उनके द्वारा शुरू किए गए कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान जी अपनी युवावस्था से ही एक जुझारू तथा जमीन से जुड़े नेता रहे। उन्होंने पूरे राजनीतिक जीवन में सदैव वंचितों और शोषितों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। बिजनौर से उनका गहरा नाता रहा। उनके द्वारा जलाई हुई मशाल को हमें आगे ले जाना है और वंचितों और शोषितों को उनका अधिकार दिलाने में तन मन से

काम करना है। जिला महासचिव यादराम सिंह ने बिजनौर में स्वर्गीय पासवान जी द्वारा बिजनौर में लड़े गए चुनाव को याद किया और उनकी विचारधारा पर चलते हुए पार्टी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भ्रष्टाचार विरोधी एवं प्रगतिशील मंच के अध्यक्ष के के रंजन ने भी दिवंगत नेता की जयंती पर उन्हें पुष्प अर्पित किए और उनके कार्यों का स्मरण किया। सभा की अध्यक्षता भ्रष्टाचार विरोधी एवं प्रगतिशील मंच के उपाध्यक्ष डॉ यादराम ने की। तदुपरांत सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर स्वर्गीय पासवान जी की जयंती पर उन्हें याद किया।

इस अवसर पर जिला सचिव दिनेश कुमार, बिजनौर नगर उपाध्यक्ष अवनीश कुमार शर्मा, नगर महासचिव हरिश्चंद्र गुप्ता, बिजनौर नगर पालिका सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कुलदीप कुमार, सफाई कर्मचारी परिषद के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश, हर्ष गौतम, सनी, जितेंद्र, राजू सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

डीके शिवकुमार को सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता: वीरप्पा मोइली

उडुपी/दावणगेरे, एजेंसी। कर्नाटक कांग्रेस में सिद्धारमैया और डी के शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद की जंग तेज होती जा रही है। राजनीतिक खींचतान के बीच कांग्रेस के दिग्गज नेता वीरप्पा मोइली ने कहा है कि शिवकुमार को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने आगे कहा कि यह एक ।सुलझा हुआ मामला। है और यह केवल समय की बात है, क्योंकि ऐसा होना तय है।

वीरप्पा मोइली ने क्या कहा?: करकला में कांग्रेस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोइली ने कहा कि मैं ही वह व्यक्ति था जिसने सुनिश्चित किया कि शिवकुमार विधायकी का चुनाव लड़ें। आज, वह कर्नाटक में एक सफल नेता के रूप में उभरे हैं। आइए हम सभी उनके जल्द से जल्द मुख्यमंत्री बनने की कामना करें। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष होने के बावजूद शिवकुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण समय में भी अथक परिश्रम किया है और

अन्य राज्यों में भी पार्टी को सत्ता में लाने में योगदान दिया है।

कोई भी आपको सीएम बनने से नहीं रोक सकता: शिवकुमार के नेतृत्व और संगठनात्मक कौशल की सराहना करते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने उन्हें सीधे संबोधित किया। इस दौरान शिवकुमार भी मंच पर बैठे हुए थे। उन्होंने कहा कि कई बयान आ सकते हैं लेकिन कोई भी आपको मुख्यमंत्री बनने से नहीं रोक सकता। मोइली ने कहा कि इस बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर कोई इसकी आलोचना करता है, तो वह अपनी संतुष्टि के लिए ऐसा कर सकता है, लेकिन कोई भी शिवकुमार को सीएम बनने से नहीं रोक सकता। यह पद किसी के द्वारा दिया गया उपहार नहीं है; यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने खुद के लिए अर्जित किया है। राज्य में राजनीतिक हलकों, विशेष रूप से सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर, इस साल के अंत में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में अटकलों से भरा हुआ है, कथित तौर पर ।रोटेशनल मुख्यमंत्री। या ।सत्ता-साझाकरण। समझौते के तहत।

मोइली ने दोहराया कि शिवकुमार का सीएम बनना ।100 प्रतिशत निश्चित। है। मंच से ही मोईली ने शिवकुमार को चल रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह एक तय मामला है। यह पहले ही तय हो चुका है - लोगों द्वारा, इतिहास द्वारा। कोई भी इसे रोक नहीं सकता.यह केवल समय की बात है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर केरल के औद्योगिक विकास पर अपने रुख से पीछे हटे

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को केरल में औद्योगिक विकास के संबंध में अपने रुख से पीछे हटते हुए कहा कि राज्य को और अधिक 'एमएसएमई स्टार्ट-अप' की जरूरत है, लेकिन यह सिर्फ कागजों पर नहीं होना चाहिए। थरूर ने 'एक्स' पर एक अंग्रेजी दैनिक की खबर को साझा करते हुए राज्य के स्टार्ट-अप परिदृश्य पर निराशा व्यक्त की और कहा कि यह उतना आशाजनक नहीं है जितना बताया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''यह देखकर निराशा हुई कि केरल की स्टार्ट-अप उद्यमिता की कहानी वैसी नहीं है जैसी बताई गई है।'' थरूर द्वारा साझा की गई खबर में दावा किया गया कि पिछले नौ वर्षों में केरल में 42,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) बंद हो गए जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 1,03,764 श्रमिकों का रोजगार छिन गया। कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट में कहा, ''एकमात्र अच्छी बात यह है कि कम से कम सरकार के दावे सही इरादों की ओर इशारा करते हैं। हमें और अधिक एमएसएमई स्टार्ट-अप की आवश्यकता है लेकिन केवल कागज़ों पर नहीं। केरल को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए!'' वहीं, राज्य के उद्योग मंत्री पी राजीव ने खबर को ''निराधार'' बताते हुए इसे खारिज किया। उन्होंने कहा, ''मैंने 10 फरवरी को विधानसभा में विस्तृत जवाब दिया था।

महायुति में कोल्ड वार पर सीएम फडणवीस ने तोड़ी चुप्पी, बोले- गठबंधन में सब ठीक है

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को महायुति गठबंधन को लेकर विपक्ष के अफवाहों पर विराम लगाया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महायुति सरकार में सब ठीक है और सत्तारूढ़ सहयोगी भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के बीच कोई कोल्ड वार नहीं है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी दावा किया कि महायुति सहयोगियों के बीच कोई कोल्ड वार नहीं है।

कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमने विपक्ष से सफलतापूर्वक मुकाबला किया है और हमें विधानसभा चुनाव में भारी जीत मिली है। हम विपक्ष से लड़ेंगे, लेकिन मीडिया से नहीं। उन्होंने कहा कि मीडिया को बिना पुष्टि के खबर नहीं चलानी चाहिए। खबर चलाने से पहले सरकार का दृष्टिकोण जानना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच कोई कोल्ड वार नहीं है। सीएम ने कहा, मैं और एकनाथ शिंदे दोनों

जानते हैं कि जब हम साथ होते हैं तो क्या करते हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री फडणवीस ने शिंदे सरकार द्वारा पहले लिए गए विभिन्न निर्णयों पर रोक लगाने संबंधी खबरों का भी खंडन किया। बता दें कि फडणवीस सरकार द्वारा शिंदे सरकार के कुछ निर्णय को पलटने की चर्चा हो रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार पारदर्शिता को प्राथमिकता देती है। किसी भी विधायक से कोई ज्ञापन मिलने के बाद हम उसकी जांच करते हैं और उसके अनुसार उचित कार्रवाई करते हैं। मैंने कोई रोक का आदेश नहीं दिया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार सोमवार से शुरू होने वाले सत्र के दौरान संतुलित बजट पेश करेगी, जिसमें पूंजीगत व्यय बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय संकट के बावजूद राज्य सरकार लड़की बहन योजना सहित जन कल्याण और विकास योजनाओं को बंद नहीं करेगी। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार जन कल्याणकारी और विकास योजनाओं के तहत अधिकतम वित्तीय लाभ देने के मामले में टॉप पर पहुंच गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए ठेकेदारों के लंबित बिलों का भुगतान करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 10 प्रतिशत बकाया का भुगतान करना शुरू कर दिया है, जबकि शेष राशि बजट पारित होने के बाद जारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष को करारा जवाब देते हुए कहा कि सरकार बजट सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करने और जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष की संख्या को देखते हुए उन्हें कम नहीं आंकेगी, बल्कि उन्हें चर्चा के लिए उचित अवसर देगी। वहीं, चाय बैठक को विपक्ष द्वारा बहिष्कार किए जाने को लेकर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी टिप्पणी की। अजित पवार ने कहा कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने परंपरागत चाय बैठक का बहिष्कार करने की परंपरा जारी रखी है। उन्होंने कहा कि हम सभी मुद्दे का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

किशोरी 20 तोला सोना व दो किलो चांदी लेकर लापता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की एक कालोनी में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी गुरुवार शाम घर से परिजनों को बिना बताए चली गई। किशोरी घर से करीब दो किलो चांदी, 20 तोला सोने के आभूषण और सवा लाख रुपये लेकर गई है। पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी बार्डर क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि बताया कि उनकी बेटी बिना किसी को बताए गुरुवार शाम अपना मोबाइल घर पर छोड़ कर कहीं चली गई है। बेटी घर में रखे 20 तोले के सोने के आभूषण, दो किलो चांदी, सवा लाख रुपये व अपने शैक्षणिक दशतावेज साथ लेकर गई है।

युवक के खाते से निकाले 1 लाख रुपए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव सीकरी खुर्द निवासी एक युवक के बैंक खाते से एक लाख रुपये निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सीकरी खुर्द निवासी सन्नी ने बताया कि 26 जून को मेरे फोन की सिम खो गई थी। जब 28 जून को सिम को चालू कराया तो पता चला कि बैंक खाते से किसी ने एक लाख रुपए निकाल लिए है।

महिला के गले से सोने की चेन झपटकर ले गए बदमाश

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांधी मार्केट के सामने रविवार सुबह दस बजे श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होने आई महिला के गले से सोने की चेन झपट ली। इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी गई है। नगर की सत्यनगर कॉलोनी निवाासी अधिवक्ता राघव गर्ग ने बताया कि मेरी मां सुमन देवी श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होने गई थी। दिल्ली मेरठ मार्ग पर रविवार सुबह दस बजे जब वह यात्रा में रथ का रस्सा पकड़ रही थी तो इसी बीच बदमाश उनके गले से सोने की चेन झपटकर ले गए। जानकारी होने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

सस्ते दाम पर चोरी के मोबाइल बेचने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। एनसीआर में सश्ते दाम पर चोरी के मोबाइल बेचने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से चोरी के 20 मोबाइल भी बरामद किए हैं। एसीपी मसूरी सर्किल लिपि नगायच ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में दो बदमाश घूम रहे है। सूचना मिलते ही पुलिस ने उनकी तलाश शुरु कर दी। रेलवे स्टेशन से आयुध निर्माणी फैक्टरी की और जाने वाले कच्चे राश्ते पर झाड़ियों ने नीचे दो युवक बैठे थे, जो पुलिस को देखते ही भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया। पूछताछ में बदमाशों ने अपना नाम आदित्य व आकाश निवासी गांव धेदा बताया है। पुलिस ने बदमाशों के पास से चोरी के 20 मोबाइल भी बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि एक मोबाइल साहिबाबाद व एक मधुबन बापूधाम से चोरी किए थे। उन्होने बताया कि वह चोरी के मोबाइल एनसीआर में सश्ते दाम पर बेचते है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर में किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक कॉलोनी निवासी युवती गत 19 अप्रैल को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाकर मुरादनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया। किशोरी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपी ने कई स्थानों पर ले जाकर दुष्कर्म किया। दुष्कर्म का विरोध करने पर मारपीट की जाती थी। सीओ ने बताया कि सूचना के आधार पर रविवार को आरोपी आशीष ठाकुर निवासी गांव सुल्तानपुर को गिरफ्तार कर लिया।

टास्क पूरा करने का लालच देकर युवती से 91 हजार रुपये ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर में सोशल मीडिया पर टास्क पूरा करने का लालच देकर एक युवती से 91 हजार रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। नगर की युनाइडेट पैराडाइस कॉलोनी निवासी दीपा ठाकुर ने बताया कि 31 मई को फेसबुक पर एक नौकरी का विज्ञापन देखकर आवेदन किया। इसके बाद एक टेलीग्राम गुरुप से जोड़ा गया। युवती ने बताया कि टेलीग्राम पर एक टास्क पूरा करके रकम जीतने की बात कहीं। टास्क पूरा करने पर उनके खाते में पैसे भेजे गए। इसके बाद उन्होंने तीन बार में 91,100 रुपए लगा दिए। पैसे लगाने के बाद उन्होंने उन्हे ग्रुप से निकाल दिया और उनका मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा है। इसके बाद युवती को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। पीड़िता ने इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी है।

नहटौर मौहल्ले ईदगाह नहटौर मे सापों का जोडा मिलने पर मचा हड़कंप

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। मोहल्ले ईदगाह के आवासीय क्षेत्र मे नाग नागीन का जोडा मिलने से मोहल्ले में मचा हड़कंप सर्प मित्र बी भास्कर की टीम ने मौके पर रेस्क्यू करते हुए नाग नागीन के जोडें के पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। नहटौर की आवासीय कॉलोनी में एक नाग नागीन का जोडा दिखाई देने पर हड़कंप मच गया। सूचना पर सर्प मित्र बी भास्कर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सर्प मित्र बी भास्कर ने बताया कि इन सापों को घोड़ा पछाड़ कहते है लोगों में भ्रम है कि यह जहरीली होती है यह जहरीली नहीं होती है।

निरंकुश चोरों ने ताले तोड़कर लाखों का सामान किया चोरी

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷। बीती रात अज्ञात चोरों ने थाना क्षेत्र के ग्राम फाजलपुर ढांकी निवासी कमर आलम पुत्र जमील अहमद के मकान के ताले तोड़कर लाखों का सामान चोरी कर ले गए जिसमें तांबा पीतल स्टील सिल्वर आदि के कीमती बर्तन बेस कीमती कपड़े सोने चांदी के आभूषण समेत दो लाख रुपए की चोरी कर चोरो ने एक गरीब आदमी को लाखों का चूना लगाया गया है।

पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी को मिली जमानत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

इलाहाबाद के चर्चित होनहार वकील यावर मुख्तार पिता मुख्तार आजम जो नजीबाबाद के रहने वाले हैं उनके प्रयास से काफी दिनों से जेल में बंद पूर्व विधायक शाहनवाज राणा के चर्चित मोबाइल कांड में गिरफ्तार किए गए उनके संबंधी और बिजनौर के पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है।

हाईकोर्ट ने गाजी की जमानत याचिका को मंजूरी दे दी है। वे पिछले ढाई महीने से जेल में बंद थे और अब एक-दो दिन में उनकी रिहाई संभव मानी जा रही है। यह पूरा मामला उस समय सुर्खियों में आया था जब मुजफ्फरनगर जेल प्रशासन ने जेल में बंद पूर्व विधायक शाहनवाज राणा के पास से मोबाइल बरामद किया। इसके बाद जेल अधीक्षक की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। जांच में सामने आया कि जेल के भीतर मिले मोबाइल में इश्तेमाल हो रही सिम पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी ने अपने नौकर समीर की आईडी पर जारी कराई थी। सिम कैसे राणा तक पहुंचा, यह सुरक्षा और जेल व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

शाहनवाज राणा के संबंधी और बिजनौर के पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी को मिली जमानत। वे पिछले ढाई महीने से जेल में बंद थे और अब एक-दो दिन में उनकी रिहाई संभव मानी जा रही है।

यह पूरा मामला उस समय सुर्खियों में आया था जब मुजफ्फरनगर जेल प्रशासन ने जेल में बंद पूर्व विधायक शाहनवाज राणा के पास से मोबाइल बरामद किया। इसके बाद जेल अधीक्षक की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई।

जांच में सामने आया कि जेल के भीतर मिले मोबाइल में इश्तेमाल हो रही सिम पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी ने अपने नौकर समीर की आईडी पर जारी कराई थी। सिम कैसे राणा तक पहुंचा, यह सुरक्षा और जेल व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

इस मामले में पुलिस ने मोहम्मद गाजी को 18 अप्रैल को नई मंडी कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

मोहर्रम पर अकीदतमंदों ने पेश की अज़ादारी, हुसैन की कुर्बानी को किया याद

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना मोहर्रम आज पूरे श्रद्धा और गमगीन माहौल के साथ मनाया गया। देशभर में शिया मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद करते हुए मातमी जुलूस निकाले और ताज़िए का जुलूस निकालकर कर्बला की यादें ताज़ा कीं।

इस मौके पर मेले में बच्चों ने लुफ्त उठाया। प्रमुख शहरों में सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन की निगरानी में जुलूस शांतिपूर्वक निकाले गए।

अकीदतमंदों ने काले कपड़े पहनकर, सीना ज़नी (छाती पीटना) करते हुए और नौहा (मर्सिया) पढ़ते हुए अपने ग़म का इज़हार किया। मोहर्रम का यह मातमी जुलूस कर्बला की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है जब पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन ने अन्याय और जुल्म के खिलाफ लड़ते हुए अपने परिवार और साथियों समेत शहादत दी थी।

यह दिन इंसानियत, न्याय और बलिदान की मिसाल बन गया। प्रशासन ने लोगों से शांति और भाईचारे के साथ मोहर्रम मनाने की अपील की थी, जिसे सभी समुदायों ने सराहा और सहयोग दिया।

लूट की घटना का पुलिस ने 12 घंटे में किया खुलासा, रकम बरामद

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

पुलिस ने महज 12 घंटे में लूट की वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए आरोपी की पहचान शाकिब के रूप में हुई है। वह स्योहारा के मोहल्ला इस्लामनगर का रहने वाला है।

घटना 5 जुलाई 2025 की है। एक महिला एसबीआई बैंक से 50 हजार रुपए निकालकर ई-रिक्शा से घर जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने उनसे पैसों से भरा थैला छीन लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस से अस्पताल में भर्ती कराया

मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने साफियाबाद फाटक पर एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया। आरोपी ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की। पीछा करने पर उसकी बाइक बहादुरपुर बाग के पास फिसलकर गिर गई। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस, तीन जिंदा कारतूस, एक हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। छीने गए 50 हजार रुपए भी बरामद कर लिए गए हैं। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना में पहले से ही मामला दर्ज है। बरामदगी के आधार पर धारा 317 (2) बीएनएस की वृद्धि की जा रही है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का तीन दिवसीय कैंप आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की बढ़ापुर इकाई द्वारा तीन दिवसीय केम्प में व्यापारियों के कांटे, बाट व माप पर मुहर लगवाकर केम्प का रविवार को समापन किया जाएगा। जिसमे बाट माप निरीक्षक सहित नगीना की तीन कम्पनी मौजूद रही।

व्यापारियों के हित की लड़ाई लड़ने वाले उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की बढ़ापुर इकाई द्वारा नगर के व्यापारियों के कांटे बाट पर मुहर लगवाने के लिये नगर के चुन्नी वाला मंदिर के रामलीला प्रांगण में तीन दिवसीय केम्प का आयोजन किया गया था। जिसका रविवार को देर शाम समापन किया जायेगा। बाट माप के निरीक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा मुहर लगवाने गये व्यापारियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए। बताया जा रहा है कि केम्प में नगीना की तीन कम्पनियों द्वारा नगर के व्यापारियों के कांटे बाँटो पर मुहर लगाने का काम किया गया जिनमे नगीना स्केल कम्पनी, एस के स्केल कम्पनी, ओमप्रकाश एंड कम्पनी शामिल रहीं। केम्प के दौरान व्यापार प्रांगण में मंडल के नगर अध्यक्ष गुलज़ार मलिक, मुख्य आरक्षी प्रवेंद्र कुमार रोहित,तनवीर अहमद, राजेश कुमार,जसप्रीत सिंह, ओमप्रकाश, अंकुर अग्रवाल, हाफिज जमशेद, इरफान अंसारी,महेंद्र सिंह,आदि लोग मौजूद रहे।

कावड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर डीएम ने किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

सावन माह में चलने वाली कावड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी बिजनौर पुलिस अधीक्षक बिजनौर ने शनिवार को नहटौर के हल्दौर चौराहे पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा संबंधी जानकारी लेते हुए संबंधित विभाग के अधिनस्थ अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शनिवार को जिलाधिकारी जसजीत कौर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा नहटौर चौराहे पर पहुंचे। इसी दौरान उन्होंने नहटौर क्षेत्र से निकलने वाली कावड़ यात्रा के बारे में जानकारी ली। एएसपी पूर्वी अमित श्रीवाश्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

इस दौरान एसपी ने सड़क किनारे खड़े भांग के पौधे उखाड़ने के निर्देश दिए। विद्युत खंभो को कवर करने के लिए कहा गया। मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे संचालित रहने के लिए निर्देश दिए थे। ट्रैफिक पुलिस को ओवरलोड वाहन कावड़ यात्रा मार्ग पर न आने के निर्देश दिए।

इस मौके पर सीओ धामपुर अभय कुमार पांडेय, थानाध्यक्ष धीरज नागर, नायाब तहसीलदार विजय कुमार, रवि नैन व नगर पालिकाध्यक्ष की टीम मौजूद रही।

ग्राम सुरक्षा समितियो के गठन से चोरी की घटनाओं पर लग सकेगा अंकुश: राजेश बैंसला

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार हल्दौर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैसला के नेतृत्व में गांव गांव ग्राम सुरक्षा समितियों का किया जा रहा गठन।

थाना क्षेत्र में ग्राम सुरक्षा समितियो के गठन से चोरी की होने वाली घटनाओं पर अंकुश लगाना तथा पुलिस और जनता के बीच मधुर संबंध बनाने का उद्देश्य है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हल्दौर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैसला ने बताया कि थाना क्षेत्र के सभी गांवो के लिए उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार गांव में ग्राम सुरक्षा समितियो का गठन करने के लिए कहा गया है जिसके अनुसार थाना क्षेत्र के कई गांव में ग्राम सुरक्षा समितियो का गठन भी किया जा चुका है। ग्राम सुरक्षा समिति के लोग धरातल पर दिन-रात प्रयास कर अपने-अपने गांव की सुरक्षा भी करते देखे जा रहे हैं ग्राम सुरक्षा समिति का उद्देश्य गांव की सुरक्षा तथा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ-साथ पुलिस और जनता के बीच मधुर संबंध स्थापित करना है।

इसी के साथ-साथ इन समिति के लोगों को लाठी डंडे और बैटरी की भी जिम्मेदारी दी गई है जो इन्हें पंचायत घर से प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि समिति को रात्रि करीब 12:00 से लगभग सुबह 5:00 बजे तक अपने अपने गांव की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसके अंतर्गत दिन रात गांव-गांव जाकर ग्राम सुरक्षा समितियो का गठन किया जा रहा है।

प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैसला ने आगे बताया कि जिस गांव में भी सुरक्षा समिति का गठन किया गया है उस गांव की सुरक्षा समिति का एक व्हाट्सएप ग्रुप बना दिया गया है जिसमें समिति के सदस्यों को जोड़ा गया है उन्हें ग्राम सुरक्षा समिति संबंधित समश्त सूचनाए ग्रुप के माध्यम से दी जा रही है ताकि समिति अपने-आपने दायित्व का निर्वहन अच्छे से कर सके।

पशुपालक की लापरवाही ने ले ली घोड़ी की जान: आक्रोशित लोगों ने लगाया जाम

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

हल्दौर थाना क्षेत्र में एक पशुपालक की लापरवाही के चलते गर्भवती घोड़ी की जान चली गई।

आक्रोशित लोगों ने पशुपालकी कमी को नजरंदाज कर बिजली विभाग के खिलाफ जाम लगा दिया, किन्तु हेड कांस्टेबल अमित कुमार के समझाने पर जाम खोल दिया गया।

पीड़ित रईस ने हल्दौर थाने में विधुत विभाग के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। पीड़ित ने मुआवजे की भी मांग की है।

विद्युत विभाग की लापरवाही

ग्राम खारी के प्रधान हाजी नदीम अहमद ने आरोप लगाया है कि विद्युत विभाग लगातार लापरवाही बरत रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण कभी भी कोई अनहोनी घटना घट सकती है।

विद्युत विभाग का जवाब

विद्युत वितरण खंड द्वितीय के उपखंड अधिकारी अरविंद बिंद ने कहा कि पशुपालकों को भी पशुओं के साथ लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विभाग मदद के नाम

पर कुछ मदद कर सकता है, लेकिन पशुपालकों को पशु चराते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए।

बिजली के यंत्र ट्रांसफार्मर खंभे से दूर रहना चाहिए। विभाग समय-समय पर जनता से अपील करता रहता है इस पर ध्यान देना चाहिए।

मुआवजे की मांग

पीड़ित ने विभाग से मुआवजे की मांग की है। विद्युत विभाग का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद मुआवजा दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

एआरटीओ ने चेकिंग के दौरान नो स्कूली वाहनों का किया चालान

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

हल्दौर चौराहे के आसपास एआरटीओ ने चेकिंग अभियान चलाते हुए अवैध रूप से संचालित नौ वाहनों को पकड़कर सीज किया। जिनमें से अधिकांश स्कूली वाहन है। शनिवार को एआरटीओ बिजनौर ने हल्दौर चौराहे के आसपास चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 9 वाहनो को पकड़कर सीज किया गया। सभी वाहनों को रोडवेज परिसर में खड़ा किया गया है। बताया जाता है कि नगर के कई स्कूलों में खश्ताहाल वाहनो से स्कूली बच्चों को लाया जा रहा है। जिससे उनकी जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इन वाहनों में निश्चित संख्या से अधिक स्कूली बच्चों को बैठाया जाता है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण: डीएम-एसपी ने दिए सुविधाओं के निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में हैं।

डीएम व एसपी ने जसपुर -सुआवाला यात्रा मार्गों का निरीक्षण किया जानकारी अनुसार शनिवार को कांवड़ यात्रा के सुरक्षित व शांतिपूर्ण तरीके से कांवड़ यात्रा संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिले के दोनों बड़े अधिकारी कांवड़ियों के आने जाने वाले मार्ग पर व्यवस्थाओं का लगातार जायजा ले रहे हैं।

शनिवार को डीएम जसजीत कौर और एसपी अभिषेक झा ने नेशनल हाईवे समेत अन्य कांवड़ यात्रा मार्गों का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यातायात व्यवस्था ऐसी रहे कि कावड़ियों व यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। यात्रियों के लिए पीने के पानी, शौचालय, चिकित्सा सुविधा और विश्राम स्थलों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया और सड़कों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई पर ध्यान देने को कहा। एसपी भूतपुरी रामगंगा घाट पर लगने वाले जाम से बचाव के दृष्टिगत यातायात प्रबंधन और रूट डायवर्जन के संबंध में एनएचएआई अधिकारियों के साथ वार्ता की डीएम ने कांवड़ यात्रियों से भी अपील की कि वे यात्रा के दौरान शांति बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें।

राम विष्णु सरस्वती शिशु मंदिर में किया गया वृक्षारोपण

एनसीआर टुडे. नहटौर। रामा विष्णु सरस्वती शिशु मंदिर में वृक्षारोपण के कार्यक्रम मनाया गया। शनिवार को विद्यालय प्रांगण में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में हरियाली का संदेश देते हुए 51 पौधे लगाए गए। इसमें फलदार एवं छायादार वृक्ष शामिल रहे कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति आचार्य एवं छात्र-छात्राओं के अलावा अभिभावकों की भी सहभागिता रही। सभी ने वृक्षारोपण करते हुए इसके संरक्षण के लिए संकल्प लिया।

पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक विनिल कुमार त्यागी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है जो सभी के लिए चिंता का विषय है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। प्रधानाचार्य मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि आगामी वर्ष में 'हर कक्षा एक पौधा' अभियान शुरू किया जाएगा जिसके तहत हर कक्षा एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करेगी।

कार्यालय नगर पंचायत झालू, (बिजनौर)

पंत्राक : 195/न0पं0 झालू/2025-26 दिनांक : 05.07.2025

-: ई-टेण्डर सूचना :-

निदेशक स्थानीय निकाय निदेशालय लखनऊ के पत्र संख्याः तक०सेल/07/ निदे0/2019 दिनांकः 28 जून, 2019 के क्रम में यू०पी० इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्ट्रर्ड बिडर्स/कान्ट्रैक्टर्स/बेन्डर्स को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत झालू जनपद-बिजनौर में राज्य वित्त आयोग / टाउन फण्ड के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत झालू जनपद-बिजनौर में जी०आई०आई०एस० सर्वे कार्य कराने हेतु ऑनलाईन निविदा दिनांक 05 जुलाई, 2025 से जुलाई, 25 2025 तक वेबसाईट www.entender.up.nic.in पर आमांत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित तिथि को सक्षम अधिकारी द्वारा खोली जायेगी

Tender Reference	1/E-Tender/2025-26
Publish Date and time for ref.	05 July, 2025 on 10:00 AM
Last Date and time for submission of E- Tender	25July, 2025 on 02:00 PM
Date and Time of Opening Tender	26 July, 2025 on 04:00PM
Place of Opening E-Tender	Executive Officer Nagar Panchayat Jhalu
E-Tender Security	10%
E-Tender document processing	As Per Tender

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत झालू
जनपद-बिजनौर

अवर अभियन्ता
नगर पंचायत झालू
जनपद-बिजनौर

अध्यक्ष
नगर पंचायत झालू
जनपद-बिजनौर

संपादकीय

नक्सलवाद या नीतिगत नरसंहार? संविधान की छांव में छुपा सच!

साल 2025 की पहली छमाही में ही छत्तीसगढ़ के जंगलों से जो खबरें लगातार आ रही हैं, वो किसी भी संवेदनशील नागरिक को विचलित करने के लिए काफी हैं। सरकारी आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि अब तक 287 कथित नक्सलियों को सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराया जा चुका है, 865 ने समर्पण किया और 830 गिरफ्तार किए गए हैं।

इन आँकड़ों को एक सतही विजयगाथा की तरह पेश किया जा रहा है जैसे मानो एक बड़ी जीत हासिल हो गई हो। पर क्या सचमुच यह जीत है? और अगर है, तो किसकी? राज्य की? संविधान की? लोकतंत्र की? या फिर उन कॉरपोरेट हितों की जो खनिजों से भरे इन जंगलों की कीमत को खून से तौलना चाहते हैं? छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक संसाधनों की भूमि नहीं है, यह सदियों से आदिवासी जीवन, परंपराओं और सांस्कृतिक अशितत्व की जीवंत गवाही रही है। यहाँ का हर पेड़, हर नदी, हर पहाड़ इन आदिवासियों के जीवन से जुड़ा है। लेकिन अब इन्हीं जंगलों और बश्तियों में, नक्सल उन्मूलन के नाम पर जिस तरह से मौत परोसी जा रही हैं, वह किसी सुरक्षा अभियान से कहीं आगे की कहानी है।

यह उस खामोश विनाश की गाथा है जिसे आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन की आड़ में अंजाम दिया जा रहा है। जिन्हें मारा जा रहा है, उनके शवों के साथ न मीडिया तस्वीरें साझा करता है, न ही अदालतें कोई सुनवाई करती हैं। एके-47 की गोलियों से किसी की संभावित पहचान को नक्सली ठहराकर मिटा देना क्या इस लोकतंत्र में न्याय का नया मानक बन गया है? क्या अब संविधान की प्रशतावना में लिखी 'न्याय', 'स्वतंत्रता' और 'समता' की अवधारणाएं केवल भाषणों और परीक्षाओं की चीज़ बनकर रह गई हैं? विडंबना यह है कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला बैठी हैं जो प्रतीकात्मक रूप से आदिवासी गौरव का प्रतिनिधित्व करती हैं और उसी समय उन्हीं आदिवासियों को 'राज्य विरोधी' घोषित कर उनका सफाया किया जा रहा है। यह उस विरोधाभास की मिसाल है जो इस राष्ट्र के प्रतीकों और उसकी वाश्तविकता के बीच की गहरी खाई को दर्शाता है। यह सवाल सिर्फ छत्तीसगढ़ या किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है।

यह प्रश्न उस सोच का है, जो मानती है कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने का एकमात्र तरीका उसे या तो मार देना है, या हथियार डलवा कर उसे "आज्ञाकारी" बना देना है। लेकिन यह "मुख्यधारा" आखिर है क्या? क्या यह वही धारा है जहां जल, जंगल, ज़मीन पर कॉरपोरेट कब्ज़ा वैध है, लेकिन आदिवासी हक़ की आवाज़ "राष्ट्रविरोधी" हो जाती है? सरकार यह दावा करती है कि वह शांति चाहती है, विकास चाहती है। पर सवाल उठता है अगर पाकिस्तान से युद्धविराम हो सकता है, सीमा पर बातचीत हो सकती है, तो अपने ही देश के नागरिकों से संवाद क्यों असंभव है? अगर नगालैंड, मिजोरम, कश्मीर, असम में राजनीतिक समाधान तलाशे जा सकते हैं, तो बश्तर की घाटियों में केवल गोलियों की गूंज ही क्यों तय कर रही है कि कौन जिएगा और कौन मरेगा?

सच यह है कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं रखते, वे इस देश के उस मूल स्वर को दर्शाते हैं जिसे 'लोक' कहते हैं। उनका जीवन सामूहिकता, प्रकृति के साथ सह-अशितत्व और गहरे आत्म-सम्मान पर आधारित है। लेकिन यह जीवन पद्धति उस नवउदारवादी मॉडल के लिए सबसे बड़ी बाधा है जो जंगल को सिर्फ खनिज मानता है, न कि जीवंत संस्कृति।

यही कारण है कि जब कोई आदिवासी अपनी जमीन छोड़ने से मना करता है, तो उसे माओवादी ठहरा दिया जाता है। और यही वह क्षण है जब न्याय के दरवाज़े बंद हो जाते हैं, और बंदूकें खुल जाती हैं। आंकड़ों की भाषा में देखें तो 2025 में अब तक 287 लोग मारे गए, लेकिन यह संख्या सिर्फ शरीरों की नहीं, यह 287 परिवारों की बर्बादी, सैकड़ों अनाथ बच्चों की आँखें, और उन गाँवों की खामोश पीड़ा की गिनती है जहाँ जीवन अब केवल डर में बीतता है। ऐसे में यह दावा करना कि नक्सलवाद कमजोर हो रहा है, शायद रणनीतिक हो, लेकिन मानवीय नहीं।

एक सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी कानून व्यवस्था से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। और जब वह समाज अपने ही नागरिकों की असहमति को हिंसा से कुचलने लगे, तो वह खुद अपनी नींव को खोद रहा होता है। क्या हम सच में यह मानने लगे हैं कि आदिवासी होना ही अपराध है? हमारी चुप्पी इस अपराध में साझेदार है।

जब हम मीडिया की एकतरफा खबरों पर विश्वास करके संतोष की सांस लेते हैं, जब हम यह मान लेते हैं कि 'अगर मारा गया तो कुछ न कुछ गड़बड़ की होगी', तब हम उस न्याय प्रक्रिया का गला घोंट रहे होते हैं जिसने हर नागरिक को निर्दोष मानने का अधिकार दिया है जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। अब समय आ गया है कि हम सवाल पूछें खुले, निर्भीक और जिम्मेदार सवाल। क्या यह सच नहीं कि इस पूरे सैन्य अभियान का उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि खनन मार्ग को साफ़ करना है? क्या यह सच नहीं कि जिन इलाकों में सबसे अधिक संघर्ष हो रहा है, वे वही क्षेत्र हैं जहाँ खनिज संपदा सबसे ज्यादा है?

अगर यह संघर्ष केवल सुरक्षा का होता, तो इसमें संवाद, विश्वास और पुनर्वास की योजना होती। लेकिन जब किसी समाधान की बात ही नहीं होती, जब केवल "मौत या समर्पण" का विकल्प दिया जाता है, तब यह राज्य की हिंसक इच्छाशक्ति का संकेत है, न कि लोकतांत्रिक मंशा का। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम अपने ही देश के एक पूरे समुदाय को आंतरिक शत्रु मानने की आदत डाल चुके हैं? और अगर हां, तो यह आदत हमें उस दिशा में ले जा रही है जहां लोकतंत्र केवल कागज़ों पर बचेगा, और ज़मीन पर तानाशाही का रूप ले लेगा। एक संवेदनशील राष्ट्र वह होता है जो अपने लोगों की पीड़ा को सुने, उनके आक्रोश को समझे और उनकी असहमति को देशद्रोह नहीं, लोकतंत्र का हिस्सा माने।

छत्तीसगढ़ का सवाल केवल सुरक्षा नीति का नहीं है, यह इस देश की आत्मा का प्रश्न है। अगर हमने इस समय चुप्पी ओढ़ी, तो इतिहास यह नहीं देखेगा कि कितने 'नक्सली' मारे गए बल्कि यह याद रखेगा कि हमने कितनी निर्दोष आवाज़ों को चुप होते देखा, और कुछ नहीं किया। यह लोकतंत्र के लिए एक निर्णायक क्षण है। क्या हम बंदूक से शासन चलाएंगे, या संवाद से? क्या हम खामोशी को सुरक्षा मानेंगे, या न्याय को? यह चुनाव सिर्फ छत्तीसगढ़ का नहीं, पूरे भारत का है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः नवाचार की उड़ान या बौद्धिक चोरी का यंत्र?

प्रियंका सौरभ

इक्कीसवीं सदी की सबसे बड़ी तकनीकी छलांगों में से एक है जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता-यानी ऐसा कंप्यूटर मस्तिष्क जो कहानी से लेकर समाचार रिपोर्ट, चित्र से लेकर कविता, और अदालत के निर्णय से लेकर संवाद तक खुद रच सकता है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि इस मशीनी रचनात्मकता की नींव क्या किसी और की मेहनत पर टिकी है? क्या यह नई तकनीक रचनाकारों, लेखकों, पत्रकारों, चित्रकारों और संगीतकारों की बनाई सामग्रियों को चुपचाप अपने ज्ञान का हिस्सा बना रही है- बिना उनकी अनुमति, बिना कोई श्रेय दिए?

हाल ही में अमेरिका की दो अदालतों में ऐसे ही मामलों पर निर्णय हुआ। इन फैसलों ने फिलहाल तकनीकी कंपनियों को राहत दी है, पर यह विषय अभी भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। इन फैसलों ने पूरी दुनिया में बहस छेड़ दी है-और भारत भी इससे अछूता नहीं है।

जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले मॉडल-जैसे कि ओपनएआई का चैटजीपीटी या मेटा का लामा-करोड़ों पुस्तकों, वेबसाइटों, गीतों, समाचारों और चित्रों का अध्ययन करके प्रशिक्षित किए जाते हैं। इनका प्रशिक्षण इस तरह होता है जैसे कोई छात्र पुस्तकें पढ़कर ज्ञान प्राप्त करता है, लेकिन यह छात्र इस पुस्तक को पढ़ने से पहले लेखक से न अनुमति लेता है, न ही लेखक को श्रेय या पारिश्रमिक देता है। यहीं से विवाद आरंभ होता है।

2024 में अमेरिका में पहला मामला आया जिसमें कुछ उपन्यासकारों ने कंपनी 'एंथ्रॉपिक' पर आरोप लगाया कि उसने उनकी पुस्तकों का उपयोग अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया। लेखकों का कहना था कि यह उनकी बौद्धिक संपदा का उल्लंघन है। परंतु अदालत ने निर्णय दिया कि यह मॉडल जो नई सामग्री उत्पन्न कर रहा है, वह मूल रचना से अलग, नया और परिवर्तित है। इसलिए यह 'उचित प्रयोग' की श्रेणी में आता है और कंपनी को अपराधी नहीं माना जा सकता। दूसरे मामले में कंपनी मेटा पर साहित्य और पत्रकारिता सामग्री को बिना अनुमति इस्तेमाल करने का आरोप था।

अदालत ने माना कि कंपनी ने सचमुच संरक्षित रचनाएं पढ़ीं थीं, लेकिन उसका उद्देश्य कुछ नया सीखना और बनाना था, इसलिए इसे भी 'परिवर्तनकारी उपयोग' मानते हुए मेटा को दोषमुक्त कर दिया गया। इन दोनों फैसलों से एक संदेश यह गया कि न्यायालय फिलहाल तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता दे रहे हैं, लेकिन लेखक समुदाय और बौद्धिक श्रमिकों के मन में यह सवाल घर करता जा रहा है कि यदि यह 'उचित प्रयोग' है, तो उनकी मेहनत, मौलिकता और अधिकारों का क्या?

अब दृष्टि भारत की ओर मोड़ते हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने वर्ष 2024 में ओपनएआई पर आरोप लगाया कि उसके संवाद आधारित मॉडल (जैसे चैटजीपीटी) उनकी समाचारों की भाषा, शैली और विषय-वस्तु की हूबहू नकल कर रहा है। इसके अलावा प्रकाशक संघों ने भी आरोप लगाए कि भारत में कॉपीराइट पंजीकरण

की अनदेखी कर इन एआई कंपनियों ने भारतीय सामग्री का व्यावसायिक दोहन किया।

ओपनएआई का पक्ष यह था कि वह भारत में न तो अपने सर्वर चलाता है, न ही उसका कोई स्थायी कार्यालय है। उसका तर्क था कि उसकी तकनीक कुछ नया, परिवर्तित और जनहित में उपयोगी सामग्री तैयार करती है-और यह बौद्धिक चोरी नहीं कहलाती।

यह मामला अब दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, और इसकी सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में निर्धारित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत में अब यह बहस न्यायिक गलियारों में पहुंच चुकी है। प्रश्न यह है कि क्या भारत का मौजूदा बौद्धिक संपदा कानून इस नई तकनीकी चुनौती के लिए तैयार है? 1957 में बनाए गए कॉपीराइट अधिनियम में 'उचित प्रयोग' की धारणा है, पर उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे मामलों की स्पष्ट व्याख्या नहीं है।

ना ही भारत में ऐसा तंत्र है जो यह जांच सके कि कोई एआई मॉडल प्रशिक्षण के लिए किन सामग्रियों का उपयोग कर रहा है और वे सामग्री कॉपीराइट के अंतर्गत आती हैं या नहीं।

आज लेखक, कवि, चित्रकार, संगीतकार, फोटोग्राफर और पत्रकार यह महसूस कर रहे हैं कि उनका सृजन कार्य मशीनों के पेट में डाला जा रहा है, और बदले में उन्हें न कोई श्रेय मिल रहा है, न ही पारिश्रमिक। यह न केवल कानूनी बल्कि नैतिक चिंता का विषय है।

इस विषय पर बहस यह नहीं है कि तकनीक को रोका जाए। नवाचार और प्रौद्योगिकी की प्रगति आवश्यक है, लेकिन वह प्रगति ऐसी न हो जो मानवीय रचनात्मकता को निगल जाए। अगर कोई लेखक दस वर्षों की मेहनत से एक उपन्यास रचता है, और कोई मशीन दो सेकंड में उसकी शैली की नकल करके नया 'उत्पाद' बनाती है, तो यह न तो न्यायसंगत है, न ही सम्मानजनक। न्यायालयों की जिम्मेदारी अब केवल यह नहीं रह गई कि वे कंपनियों और व्यक्तियों के बीच विवाद सुलझाएं, बल्कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य का तकनीकी विकास समान रूप से सभी के हित में हो। केवल पूंजी और तकनीक के सहारे अगर किसी का बौद्धिक श्रम मुफ्त में हड़पा जा रहा है, तो वह लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों का उल्लंघन है।

भारत को चाहिए कि वह अपने कॉपीराइट कानूनों की पुनर्रचना करे-विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग के अनुरूप। ऐसी व्यवस्था बने जिसमें रचनाकारों की रचनाओं को यदि तकनीक द्वारा उपयोग किया जा रहा है तो उन्हें उसका पारिश्रमिक मिले, उनके नाम का उल्लेख हो, और उनकी अनुमति अनिवार्य हो।

यह केवल न्याय की बात नहीं है, यह साहित्य, संस्कृति और रचनात्मकता की रक्षा की बात है। यदि हम अपने समय के रचनाकारों की अनदेखी करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ तकनीक से तो पाएंगी-पर संवेदना नहीं, आत्मा नहीं।

मशीनों को दी उड़ान, पर कलम से छीना आसमान,
बिना श्रेय के ज्ञान अगर, तो कैसा विज्ञान?

15वें दलाई लामा के चयन पर भारत मिला साथ

संजय गोस्वामी

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो। तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी।

इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है। हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है। इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है।

1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रारंभ हुआ।

मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके।

परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया।

इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को 5000 नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की।

1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुनः स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गयाः 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे।

13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही। इस सरकार की विश्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हश्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यतः बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है।

चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है। चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं। दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी ख़तरा मानता है। तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है। कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताक़तवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की।

लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हज़ारों की संख्या में सैनिक भेज दिए। तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाक़ी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया। लेकिन साल 1959 में चीन के ख़िलाफ़ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया।

साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज़्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया। माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हज़ारों तिब्बतियों की जाने गई थीं। चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की क़ानूनी स्थिति को लेकर है। चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा।

मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विश्तार किया था। फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने। 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया। लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की।

फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हश्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई।

दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर क़ब्ज़ा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया। तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दख़ल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी। फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया।

किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है। विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी। हालांकि 1971 में तिब्बत के दरवाज़े विदेशी लोगों के लिए खोल दिए गए थे। चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है। सन 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी। इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था।

यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है। इसी स्कूल के सबसे चर्चिच छात्र थे गेंदुन द्रुप। गेंदुन आगे चलकर पहले दलाई लामा बने। बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं। इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। दूसरी तरफ इनके समर्थक अपने नेता के रूप में भी देखते हैं। दलाई लामा को मुख्य रूप से शिक्षक के तौर पर देखा जाता है। लामा का मतलब गुरु होता है। लामा अपने लोगों को सही राश्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

तिब्बती बौद्ध धर्म के नेता दुनिया भर के सभी बौद्धों का मार्गदर्शन करते हैं। 1630 के दशक में तिब्बत के एकीकरण के वक़्त से ही बौद्धों और तिब्बती नेतृत्व के बीच लड़ाई है। मान्चु, मंगोल और ओइरात के गुटों में यहां सत्ता के लिए लड़ाई होती रही है। अंततः पांचवें दलाई लामा तिब्बत को एक करने में कामयाब रहे थे।

इसके साथ ही तिब्बत सांस्कृतिक रूप से संपन्न बनकर उभरा था। तिब्बत के एकीकरण के साथ ही यहां बौद्ध धर्म में संपन्नता आई। जेलग बौद्धों ने 14वें दलाई लामा को भी मान्यता दी। दलाई लामा के चुनावी प्रक्रिया को लेकर ही विवाद रहा है। 13वें दलाई लामा ने 1912 में तिब्बत को स्वतंत्र घोषित कर दिया था। करीब 40 सालों के बाद चीन के लोगों ने तिब्बत पर आक्रमण किया। चीन का यह आक्रमण तब हुआ जब वहां 14वें दलाई लामा के चुनने की प्रक्रिया चल रही थी। तिब्बत को इस लड़ाई में हार का सामना करना पड़ा। कुछ सालों बाद तिब्बत के लोगों ने चीनी शासन के ख़िलाफ़ विद्रोह कर दिया। ये अपनी संप्रभुता की मांग करने लगे। हालांकि विद्रोहियों को इसमें सफलता नहीं मिली।

दलाई लामा को लगा कि वह बुरी तरह से चीनी चंगुल में फंस जाएंगे। इसी दौरान उन्होंने भारत का रुख किया। दलाई लामा के साथ भारी संख्या में तिब्बती भी भारत आए थे। यह साल 1959 का था। चीन को भारत में दलाई लामा को शरण मिलना अच्छा नहीं लगा। तब चीन में माओत्से तुंग का शासन था। दलाई लामा और चीन के कम्युनिस्ट शासन के बीच तनाव बढ़ता गया। दलाई लामा को दुनिया भर से सहानुभूति मिली लेकिन अब तक वह निर्वासन की ही ज़िंदगी जी रहे हैं।

चीन-तिब्बत संबंधों से जुड़े कई सवाल हैं जो लोगों के मन में अक्सर आते हैं। जैसे कि क्या तिब्बत चीन का हिस्सा है? चीन के नियंत्रण में आने से पहले तिब्बत कैसा था? और इसके बाद क्या बदल गया? तिब्बत की निर्वासित सरकार का कहना है, इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में तिब्बत विभिन्न विदेशी शक्तियों के प्रभाव में रहा था। मंगोलों, नेपाल के गोरखाओं, चीन के मंचू राजवंश और भारत पर राज करने वाले ब्रितानी शासक, सभी की तिब्बत के इतिहास में कुछ भूमिकाएं रही हैं।

लेकिन इतिहास के दूसरे कालखंडों में वो तिब्बत था जिसने अपने पड़ोसियों पर ताक़त और प्रभाव का इश्तेमाल किया और इन पड़ोसियों में चीन भी शामिल था। 1951में चीन ने एक शांति प्रिय देश को गुलाम बनाकर भगवान बुद्ध की पावन नगरी को तहस नहस कर दिया है।

सन 1961 में तिब्बत के 14वें धर्म गुरु दलाई लामा ने लगभग 85हजार अनुयाई के साथ भारत के धर्मशाला (एचपी) में अपना अशितत्व को बनाए रखने के लिए अपना अस्थाई स्ट्रक्चर सीटीए के रूप में अपने वजूद को बचाने के लिए बहुत ही मुश्किल समय में सरकार चला रहा है और भारत भी उनके साथ हिम्मत से खड़ा है।

48मंत्रिमंडल बाले तिब्बत के अस्थाई सरकार को चलाने के लिए विश्व से अपनी आजादी की मांग कर रहा है हालांकि भारत ने मैत्रीपूर्ण संबंध में कोई कमी नहीं होने दिया है संसदीय मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मौजूदा दलाई लामा के अलावा किसी को भी 15वें दलाई लामा के बारे में फैसला करने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने यह टिप्पणी 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो द्वारा 6 जुलाई को 90 वर्ष पूरे करने के बाद की, जिसके बाद उन्होंने दलाई लामा को पूर्ण अधिकार सौंपे। दलाई लामा ने चीन को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि उनके नाम से संचालित सदियों पुरानी आध्यात्मिक संस्था उनकी मृत्यु के बाद भी जारी रहेगी और उनके उत्तराधिकारी की पहचान करने का अधिकार केवल उनके करीबी लोगों को होगा न कि बीजिंग को।

इस सप्ताहांत अपने 90वें जन्मदिन से पहले प्रार्थना समारोह के दौरान 19 जून बुधवार को धर्मशाला, में संदेश में 14वें दलाई लामा ने कहा कि उनके मामलों का प्रबंधन करने वाला गदेन फोडरंग ट्रस्ट उनके पुनर्जन्म की खोज की देखरेख करेगा। उन्होंने धर्मशाला में कहा, इस मामले में किसी और को हश्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

धर्मशाला उत्तर भारत का पहाड़ी शहर है, जो निर्वासित तिब्बती सरकार की सीट है। पिछली परंपरा के अनुसार, मेरे पुनर्जन्म की खोज और 15वें दलाई लामा के नामकरण का काम किया जाएगा। दलाई लामा ने पहले संकेत दिया था कि वे इस कतार में सबसे आखिरी हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वरिष्ठ आध्यात्मिक नेताओं के साथ परामर्श और चीनी शासित तिब्बत सहित तिब्बती जनता की अपील ने उन्हें इसके विपरीत समझा दिया है। उन्होंने वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं की सभा में कहा, इन सभी अनुरोधों के अनुसार, मैं पुष्टि करता हूं कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि स्पष्ट लिखित निर्देश छोड़े जाएंगे, लेकिन उन्होंने उनकी विषय-वस्तु के बारे में विश्तार से नहीं बताया। एशिया में बहने वाली कई बड़ी नदियां तिब्बनत से ही निकलती हैं। ऐसे में जब भी पानी की किल्लत होगी ये इलाका भारत के लिए फायदे साबित होगा। यहां पर लिथियम, यूरेनियम और सबसे अहम यहां भरपूर मात्रा में पाया जाता है अयस्कों के खनन के लिए तिब्बित बहुत महत्वपूर्ण है यूरेनियम के भंडार होने के कारण तिब्बत परमाणु उद्योग के लिए अच्छा साबित होगा।

तिब्बत भारत और चीन के बीच मुख्य मुद्दा है। मगर इसका हल शांति से हो। तिब्बरत समस्यां का हल निकलने के बाद भारत और चीन के बीच जो सीमा विवाद है, उसका हल भी निकल आएगा।

करदाताओं को सामाजिक सुरक्षा क्यों नहीं?

अर्जुन देशप्रेमी

देश में आयकर को लेकर अक्सर बातें होती रहती हैं। कोई करों की दरों को लेकर सवाल उठाता है तो कोई कर चोरी को लेकर, तो कोई लोगों में इसके प्रति उदासीनता को लेकर। देश की कुल आवादी 146 करोड़ है, पर मात्र 9.19 करोड़ लोग ही आयकर रिटर्न फाइल करते हैं।

पिछले फाइनेंशियल ईयर में इनकम टैक्स रिटर्न की संख्या 8.52 करोड़ थी। 2023 में यह संख्या 7.78 करोड़ थी। देश में सरकारी नौकरी करने वालों की संख्या लगभग 3 करोड़ है जबकि निजी क्षेत्र में कर्मचारियों की संख्या लगभग 6 करोड़ है। कहने का मतलब है कि इनकी ही संख्या 9 करोड़ है। गोलाबल डाटा के अनुसार अपना रोजगार करने वाले लोगों की संख्या लगभग 35 करोड़ है।

ऐसे देश में कामकाजी नजरिये से लगभग 100 करोड़ से जयादा लोग काम करने वाले हैं। इस नजरिये से देखा जाये तो जितने लोग काम कर रहे हैं या यूं कहें कि वे आय अर्जित कर रहे हैं, उनमें से 10 प्रतिषत से भी कम लोग ही आयकर रिटर्न फाइल कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्यों?

इसी तरह आये दिन आयकर चोरी की घटनाएं सामने आती हैं। बार-बार कहा जाता है कि लोग पूरा टैक्स नहीं जमा करते हैं। येन केन प्रकारेन टैक्स बचाने, या यूं कहें की सरकार को टैक्स न देना पड़े, के लिए जुगाड़ लगाते रहते हैं। कोई नकद लेन-देन के माध्यम से टैक्स न देने की तरकीब जुटाता है, तो कोई अपनी आय छुपाकर।

कोई गलत-सलत बिल-भाउचर बनवाकर जुगाड़ लगाता है, तो कोई अपने सीए से जुगाड़ लगवाकर। कोई राजनीतिक दलों को चंदे देकर जुगाड़ भिड़ाता है, तो कोई एनजीओ और ट्रस्ट को चंदा देकर। इसके लिए लोग ठीक ठाक खर्चे भी करते हैं। पर वे चाहते हैं कि सरकार को या तो टैक्स न देना पड़े या फिर कम-से-कम देना पड़े।

एक बार फिर सवाल है कि आखिर ऐसा क्यों?

इसको समझने के लिए बार-बार सामने आने वाली घटनाओं पर विचार करना होगा। जैसे बंगलोर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर का 50 लाख रुपए सालाना पैकेज था। जाहिर है, योग्यता थी, तभी उसे इतनी सैलरी वाली नौकरी मिली थी।

इस लिहाज से उसने पिछले 5 साल में उसने सरकार को लगभग 40 लाख रुपए इनकम टैक्स दिया। वह भी बेहद इमानदारी से। चूँकि वह नौकरीपेशा था, सो उसके टैक्स चोरी या कम टैक्स देने का उसके पास कोई जुगाड़ भी नहीं था। कंपनी ही टैक्स काट लेती थी। पर एक दिन अचानक छटनी के कारण उसकी नौकरी चली गई। अचानक से उसकी आमदनी जीरो हो गयी।

पर किराया देना ही था। घर के खर्चे रूक नहीं सकते थे। ऐसे में कुछ दिन उसका गुजारा उस पैसे से चला जो उसने नौकरी के दौरान बचत किया था।

पर उसके बाद क्या? जल्दी दूसरी नौकरी नहीं मिली, नौकरी न होने के कारण लोन नहीं मिला, जो लोन देने की बात करता था, वह उच्च ब्याज दर मांगता था।

सो वह कुछ नहीं कर पाया. ऐसे में जब कोई उपाय नहीं सुझा तो तो वह डिप्रेशन में चला गया। उसका तो जीवन ही लगभग चौपट हो गया। उसे बार बार लगता था कि अगर उसने सरकार को इतना टैक्स न देकर अगर 36 लाख रुपये बचाए होते तो कितना काम आता।

यही बात दूसरे सेक्टर्स मकाम करने वालों, प्र्जगार करने वालों, रोजगार देने वालों, कम्पनीज चलने वालों पर भी लागू होती है। और इसी सोच के कारण देश के ज्यादातर लोग टैक्स देने से बचते हैं। उनको लगता है कि यह फालतू में दे रहे हैं। इससे उनको कोई लाभ तो मिलने से रहा।

इसी सोच के कारण देश में टैक्स चोरी को ज्यादा बढ़ावा मिलता है जिसके कारण लोग टैक्स रिटर्न फाइल नहीं करते या टैक्स बचाने, चुराने की सोचते हैं। यानि टैक्स देने के प्रति उनको प्रोत्साहन नहीं मिलता।

अगर अमेरिका की बात करें तो अमेरिका में टैक्स पेयर्स को सामाजिक सुरक्षा (सोशल सिक्योरिटी) मिलती है। नौकरी जाने पर सरकार उसे दूसरी नौकरी ना मिलने तक पेंशन देती है। कई दूसरे देशों में भी उनको कई तरह की सामाजिक सुरक्षा मिलती है, जैसे बेरोजगारी भत्ता मिलता है, स्वस्थ्य सुविधा मिलती है।

पर भारत में ऐसा कुछ भी नहीं है। यहाँ उल्टा है। यहां इनकम टैक्स न देने वालों को सरकार मुफ्त बिजली, पानी, बस यात्रा, लाडली बहन जैसी कई योजनाओं समेत मुफ्त राशन बांट रही है, सब्सिडी दे रही है। लेकिन जिसने सरकार को टैक्स दिया है, उसके लिए कुछ नहीं है। जब उसका अच्छा समय चल रहा होता है तो उनसे भारी - भरकम टैक्स ले लिया जाता है, पर जब उनका बुरा समय आता है तो भगवन भरोसे छोड़ दिया जाता है। ऐसे में कोई टैक्स देने के प्रति कैसे प्रोत्साहित होगा?

आज जरूरत इस बात की है कि इसपर विचार किया जाये. सरकार इतना तो कर ही सकती है कि जो जितना टैक्स दे, जरूरत के समय उसे कम से कम कुल दिए गए टैक्स का 20 प्रतिशत तो उसे किश्तों में प्रति माह एक साल के भीतर दिया जाये।

अगर सरकार यह नहीं कर सकती तो जीतनी रकम उसने टैक्स में दी है, उस रकम पर हर माह जो ब्याज बनता है, उतनी रकम तो उसे एक से दो साल तक दिया जाये।

उसे बेरोजगारी भत्ता, या आवश्यक भरण पोषण भत्ता उसके जमा टैक्स के अनुपात में कुछ समय तक दिया जाये। आखिर कोई तो ऐसा लोभ हो जिससे करदाता कर देने पर अपने को सुरक्षित महसूस करे।

जब आप कोई कर न देने वालों को घर, गैस, शौचालय, फ्री में राशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, फ्री में बस सुविधा, बच्चे पैदा करने के दौरान एकमुश्त धनराशि, उनके बच्चो को ड्रेस, साइकिल, भोजन, किताब कॉपी, फ्री बिजली, पानी, महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये, किसानों को साल में 6000 रुपये दे सकते हैं(

तो टैक्स देने वालों को सामाजिक सुरक्षा क्यों नहीं? आखिर उन्हीं के चुकाए पैसों से उनकी मदद क्यों नहीं? इसमे कोई शक नहीं कि सरकार अगर ऐसा करती है, तो निःसंदेह लोग टैक्स देने के प्रति और जागरूक और उत्साहित होंगे जो कर ढांचे को और उक्तिसंगत बनाने में मदद देगा और ज्यादा से ज्यादा लोग कर देने में अपनी हिचक दूर करेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

शारदा नहर पर बनी पुलिया टूटी जांच करने रात में पहुंचे एसडीएम

बीघापुर। नगर पंचायत बीघापुर से रुझेई व कटरी क्षेत्र को जोड़ने वाली शारदा नहर पुलिया के टूटने की सूचना पर एसडीएम रात में मौके पर पहुंचे। उन्होंने एक्सईएन को फोन करके तुरंत पुलिया की मरम्मत कराकर आवागमन चालू कराने के निर्देश दिए।

लोगों ने जानकारी दी कि नहर में पानी न होने से वाहन सवार नहर के अंदर से निकल रहे हैं। दो दिन में पानी छोड़ा जाना है, पुलिया दुरुस्त न हुई तो आवागमन रुक जाएगा।

रुझेई, टिकरीमऊ, मवैया सहित गंगा कटरी क्षेत्र के कई गांवों को नगर पंचायत से जोड़ने के लिए शारदा नहर बीघापुर ब्रांच पर बनी छोटी पुलिया का किनारा लगभग 15 दिन पहले टूट गया था। इसके चलते लोग आवागमन करने के लिए पांच किलोमीटर का चक्कर लगा रहे हैं। सोमवार देर शाम पुलिया का काफी हिस्सा टूट गया।

इससे आवागमन बाधित हो गया। व्यापार मंडल के नेता गोकुल प्रसाद साहू, विजय साहू, अंबिका प्रसाद चौधरी, भगवंतखेड़ा निवासी रामगोपाल यादव व राजन पंडित ने मौके पर पहुंचे और एसडीएम के सामने दिक्कतों को रखा।

इस पर एसडीएम रनवीर सिंह रात में ही टूटी पुलिया का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने मौके से ही एक्सईएन को फोन करके पुलिया को दुरुस्त कराकर आवागमन सुचारू कराने के निर्देश दिए।

नवाब के होटल को सीजमुक्त करने का आदेश

कन्नौज। सिविल जज सीनियर डिवीजन ने नवाब सिंह यादव व नीलू के 11.63 करोड़ के होटल चंदन को सीजमुक्त करने के आदेश दिए है। इस संबंध में प्रशासन व पुलिस से आख्या मांगी है। सुनवाई के लिए तीन जनवरी की तिथि नियत की गई है। कोर्ट से इस संबंध में नौ जनवरी तक का स्टे था।

कोतवाल सदर कपिल दुबे ने गांव अड़ंगापुर निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव, भाई नीलू यादव सहित अन्य के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें आरोप लगाया कि ये लोग दुष्कर्म व जानलेवा हमला जैसी घटनाओं को अंजाम देते है। डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला के आदेश पर दोनों भाइयों की संपत्ति की जांच की गई। डीएम ने 19 दिसंबर को दोनों भाइयों की संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए।

प्रशासन ने 21 दिसंबर को नवाब व नीलू का तिर्वा में स्थित 11.63 करोड़ का चंदन होटल कुर्क कर लिया था। सोमवार को पुलिस ने 5.50 करोड़ का नवाब व नीलू का बचपन प्ले स्कूल कुर्क किया था। उनके भाई सुदर्शन ने सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में पहले प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट ने होटल चंदन के लिए 18 सितंबर को स्टे दे दिया था। आदेश दिया कि होटल को ध्वस्त नहीं किया जाए। उस पर अवैधानिक कब्जा नहीं किया जाए। आदेश 9 जनवरी 2025तक प्रभावी रहेगा। इसके बावजूद अवमानना कर होटल चंदन को सीज कर दिया गया। कोर्ट ने सभी पहलुओं पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए होटल चंदन को सीजमुक्त करने के आदेश दिए है। इस संबंध में आख्या भी मांगी है। तीन जनवरी को इस मामले में सुनवाई की तिथि नियत की गई है।

पुलिस लाइन की ड्यूटी में खेल, एसएसपी ने पांच सिपाहियों को किया निलंबित

बरेली , एजेंसी। बरेली में पुलिस लाइन में ड्यूटी दिखवाकर अपने गृह क्षेत्रों में सिपाहियों की मस्ती करने का मामला एसएसपी की जानकारी में आया तो उन्होंने पांच सिपाहियों को निलंबित कर दिया। विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। अन्य पर भी कार्रवाई हो सकती है। आरक्षी रजत बालियान के बारे में एसएसपी अनुराग आर्य को शिकायत मिली कि वह मेरठ व मुजफ्फरनगर में घूमकर मस्ती कर रहा है, जबकि उसकी हाजिरी अनधिकृत रूप से बरेली पुलिस लाइन में चल रही है। एसएसपी ने इस बारे में जानकारी कराई तो आरोप सही पाया गया। इस गड़बड़ी की रिपोर्ट तलब की गई। पता लगा कि लाइन के गणना कार्यालय के आरक्षी रचित कुमार, सतेंद्र सिंह, अर्पित पंवार व पवन बंसल ने रजत को रिकॉर्ड में हाजिर दिखाया है।

वाराणसी में एक श्रीलंका..., यहां के ग्रामीण मांग रहे पक्का पुल; चंदा जुटा करते हैं निर्माण

वाराणसी, एजेंसी। ई पुल बन गयल होत त गुलाब राजभर क पतो मोना (24) बच गयल होतीन। फुलवरिया जाय बदे ओनकरे परिवार क लोगन पिसौर पुले से होके अस्पताल लेके गइलन। मोना के बच्चा ते पैदा हो गयल लेकिन ओन ना बच पइलिन। दनियालपुर जब से टूटल हौ तब से पूरा गांव क मनई परेसान हो गयल हउवन...।

यह कहते-कहते 61 वर्षीय मुनकी दानियालपुर-फुलवरिया पुल की ओर देखने लगती हैं, जो दुर्गंध मार रहे वरुणा नदी पर थी। वह टूट चुकी थी। बांस-बल्ली और लकड़ियों को नदी का पानी बहा ले गया था। पुल का आधा हिस्सा नदी में ही टंगा हुआ है। उधर, गांव वाले हर साल की भांति इस साल भी चंदा इकट्ठा कर रहे हैं। जल्द ही पुल को इस बार भी बना लिया जाएगा तो गांव वालों को स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं सुचारू रूप से मिलने लगेंगी। गांव के लोग आज भी पक्का या पीपा पुल का सपना देख रहे हैं।

दानियालपुर गांव में मात्र एक प्राइमरी स्कूल है। गांव के लड़के और लड़कियां फुलवरिया के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन इस पुल (चहवा) के टूट जाने से उनकी पढ़ाई-लिखाई के साथ ही अन्य काम भी प्रभावित हो रहे हैं। गांव के 66 वर्षीय शहादुल पटेल ने बताया कि जिन्हें सायकिल चलाने नहीं आती वे बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। यहां अधिकतर लड़कियां सायकिल नहीं चला पातीं, इसलिए वे भी घर पर बैठ गई हैं। इस वक्त अन्य बच्चे पिसौर पुल से स्कूल जा रहे हैं, लेकिन उन्हें सात से आठ किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है।

गांव की अनोखी विशेषता

इस गांव को श्रीलंका का टापू भी कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरब-पश्चिम और दक्षिण की तरफ वरुणा नदी बहती है। उत्तर की तरफ शिवपुर रेलवे स्टेशन है। हर साल जुलाई के बाद यह पुल बारिश के कारण बह जाता है। तीन-चार महीने के बाद इसे दोबारा बनाया जाता है। गांव वाले चंदा इकट्ठा करते हैं। बंसवाड़ी से बांस काट बजरिए वाहन नदी किनारे लाकर 15-20 दिन में इस चहवा को तैयार किया जाता है, जिसका काम अब शुरू हो चुका है।

पिसौर वार्ड नंबर 49 के पार्षद गोविंद पटेल ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में सेतु निगम ने पुल के लिए सर्वे किया था। लेखपाल ने सीमांकन किया। निशान भी बना दिए गए, लेकिन कुछ महीने बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वे बताते हैं कि दानियालपुर पांच से छह किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां की आबादी तकरीबन छह से सात हजार है। इस पुल के माध्यम से यहां के लोगों को काफी सहूलियत हो जाती है। उन्होंने बताया कि इसके प्रस्ताव को नगर निगम में पेश किया जाएगा।

गांव के क्षेत्रफल के हिसाब से यहां के लोगों ने एक राजकीय विद्यालय और खेलकूद के मैदान की भी मांग की है। पार्षद ने बताया कि गांव वालों ने अपनी काफी जमीनों को यहां के विकास के लिए दे दिया। यही कारण है कि यहां पिच-सीसी रोड और इंटरलॉकिंग का कार्य हो सका। गांव में अभी तक चकबंदी नहीं हुई है। यहां काफी जमीनें हैं, जहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र खोले जा सकते हैं। जल्द ही इस पर भी काम किया जाएगा।

तीनों तरफ वरुणा नदी से घिरे दानियालपुर गांव के कई खेत बाढ़ में डूब जाते हैं। बाढ़ जाने के बाद यहां की स्थिति और भी बद्तर हो जाती है। हर वक्त पानी में दुर्गंध उठती रहती है। इसका कारण पूछने पर गांव के सूरज, चंद्रप्रकाश, अनिल, राजू, खरपत्तू सहित कई महिलाओं ने बताया कि भिटारी के पास रेलवे का कारखाना है, जहां से भारी मात्रा में गंदगी वरुणा में ही गिराई जाती है। सारी गंदगी नदी के मोढ़ पर इकट्ठा हो जाती है। इस कारण मछलियां तो मरती ही हैं, साथ ही पानी भी गंध मारने लगता है।

क्या कहते हैं सांसद

चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिवपुर विधानसभा के इस गांव की समस्या के बारे में मुझे जानकारी है। 2007 में मैंने ही यहां बांस की पुलिया बनवाई थी। इससे लोगों को काफी लाभ हुआ इसलिए हर साल चंदा इकट्ठा कर गांव वाले इसे बनवा रहे हैं। यह मामला विधानसभा से जुड़ हुआ है, फिर भी गांव के लोगों का मुझसे काफी जुड़ाव है। मैं इसको संज्ञान में लेकर संबंधित लोगों से बातचीत कर यहां पक्का या पीपा पुल का निर्माण करवाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि रेलवे से गंदगी वाली जो समस्या है, इसकी जांच कर समाधान करवाउंगा।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा का मॉक ड्रिल, रनवे पर विमान हादसे के दौरान बचाव और राहत का अभ्यास

वाराणसी , एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को मॉक ड्रिल की गई। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल दो वर्ष में एक बार की जाती है। इसका उद्देश्य विमान दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन सेवाओं की तैयारी और प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना है। ड्रिल में पुलिस, अग्निशमन, एयरपोर्ट अग्निशमन, स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ और एयरपोर्ट से संबंधित सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। रनवे पर एक बस को विमान के रूप में खड़ा किया गया था और ड्रिल के दौरान आपातकालीन सेवाएं अपनी भूमिका निभाती दिखाई दीं। ड्रिल के दौरान विमान दुर्घटना की स्थिति में बचाव और राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल विमान दुर्घटना की स्थिति में तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत बनाने के लिए किया गया है।

दो बाइकों को टक्कर मारते हुए पोल से टकराकर पलटा ट्रक

सफीपुर। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रक दो बाइक में टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

हरदोई से भूंसी लादकर उन्नाव जा रहे ट्रक का सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमलदीपुर के पास ब्रेक फेल हो गया। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के विपरीत दिशा में पहुंच गया। ट्रक बाइक सवार हसनगंज कोतवाली के कमलेश कुमार (28) और अजगैन के जगदीश (25) को टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराकर खंती में पलट गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। ट्रक चालक हरदोई निवासी सूरज ने बताया कि ब्रेक फेल होने से सामने से आए वाहन को बचाने में घटना हो गई।

स्कूल से गायब हेडमास्टर व दो शिक्षकों पर कार्रवाई

सरैंया , एजेंसी। बीईओ सिराथू के निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय सरैंया के प्रधानाध्यापक व दो शिक्षक अनुपस्थित रहे। बीईओ ने सभी का वेतन रोक दिया। इसके साथ ही निपुण आकलन का निरीक्षण किया। सिराथू बीआरसी के 12 विद्यालयों में मंगलवार को निपुण आकलन परीक्षा हुई। बीईओ ने इसका निरीक्षण किया। बीईओ प्राथमिक विद्यालय सरैया पहुंचे तो यहां तैनात प्राध्यापक कृष्ण कुमार पांडेय, शिक्षक कुमारी उषा व संजय कुमार नहीं मिले। बीईओ ने तीनों का वेतन रोक दिया। वहीं, 14 विद्यालयों में परीक्षा हुई। बताया कि परीक्षा में 90 प्रतिशत बच्चे मौजूद रहे।

होटल का भंडाफोड़ करने वाली महिला को धमकी

गुरसहायगंज। सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद कराने वाली महिला पर हमला कर घायल करने वाले दबंग फिर से धमकी दे रहे हैं। मामले में एसपी को प्रार्थना पत्र दिया गया है।

कस्बे के मोहल्ला रामकृष्ण नगर में संचालित एक होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ मोहल्ले के लोगों ने कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद करवा दिया था। इससे नाराज होटल संचालक के समर्थकों ने 16 दिसंबर को देर रात रैकेट का भंडाफोड़ करने और अनैतिक कार्य का विरोध करने वाली महिला रेनू चतुर्वेदी पर घर में घुसकर हमला बोल दिया था। वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मामले में तीसरे दिन मंगलवार को पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोपियों पर कठोर करवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं। रेनू चतुर्वेदी के पति देवनारायण चतुर्वेदी ने एसपी अमित कुमार आनंद को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा कि होटल संचालक के समर्थकों ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हो जाने से नाराज होकर पत्नी पर हमला बोल दिया था। इसके बावजूद पुलिस ने करवाई नहीं की। उन्होंने दबंग लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मौसम ने लिया यू-टर्न, पारा गिरने के साथ ही बढ़ी गलन

इन जिलों के लिए जारी हुई ओले गिरने की चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में मंगलवार को बूंदाबांदी से मौसम बदल गया। लोगों ने गलन महसूस की। बूंदाबांदी व बादलों की मौजूदगी से दिन के पारे में 4.1 डिग्री की गिरावट से हवा में ठंडक घुल गई। सोमवार की रात के पारे में 5.3 डिग्री तक का उछाल रहा, जो सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले 48 घंटों में रात के पारे में दो से चार डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 से 28 दिसंबर के बीच फिर से हल्की से मध्यम बूंदाबांदी के आसार जताए गए हैं। दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री और रात का पारा 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बूंदाबांदी से राजधानी की हवा की सेहत में थोड़ा सुधार देखने को मिला। मंगलवार को छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से सिर्फ लालबाग की हवा लाल यानी बेहद खराब और अलीगंज की हवा नारंगी यानी खराब श्रेणी में रही। गोमतीनगर, बीबीएयू, कुकरैल और तालकटोरा की हवा पीली यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज हुई।

उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी संग मौसम ने करवट लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटे में रात के पारे में 2 से 4 डिग्री तक की गिरावट आएगी। अगले दो दिन तात्कालिक तौर पर मौसम साफ रहने के संकेत है। 27 दिसंबर से बारिश के साथ दिन व रात के तापमान में फिर से बदलाव दिखेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 व 28 दिसंबर को प्रदेश विभिन्न इलाकों गरज चमक के साथ हल्के से मध्यम बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। इस बीच तराई इलाकों के साथ ही आगरा आदि में ओले गिरने की भी संभावना है। साथ ही दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी।

सोमवार की देर रात से ही पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में गरज के साथ पड़ी फुहारों के बाद मंगलवार को सुबह राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, आगरा, बरेली और मेरठ आदि में हल्की बारिश देखने को मिली। ज्यादातर इलाकों में तापमान में उतार चढाव के बीच दिन भर बादल छाए रहे।

दिन में बढ़ी गलन

बादलों की मौजूदगी और बारिश की वजह से दिन के पारे में गिरावट से हवा में गलन भी रही। हालांकि सोमवार की रात के पारे में उछाल देखने को मिला। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अगले 48 घंटे में दिन व रात दोनों के तापमान में उतार-चढाव देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर बर्फबारी से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड बढ़ गई। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग समेत पर्वतीय इलाके बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं। लगातार हिमपात ने दुश्वारियां भी बढ़ा दी हैं। कई हाईवे और सड़कें बंद हैं। वहीं, हिमाचल के रोहतांग व कूफरी में भारी बर्फबारी के चलते 10 हजार सैलानी फंस गए, जिन्हें सुरक्षित निकाला गया। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण तीन एनएच और 115 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। बर्फ हटाने के लिए 268 मशीनें तैनात की गई हैं। 70 विभागीय जेसीबी, 96 किराये की मशीनें, 13 उन्नत स्नो ब्लोअर और 13 बुलडोजर वर्तमान में काम कर रहे हैं। पंजाब में घना कोहरा देखने को मिला है। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में बारिश भी हुई। राजस्थान के गंगानगर, अनूपगढ़, चुरू और बीकानेर में 10 मिमी तक बारिश हुई। राजस्थान में अगले तीन दिन और मध्य प्रदेश में अगले 4 दिन ओले-बारिश का अलर्ट है। इसके चलते राजस्थान सरकार ने 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है।

किसानों की गांधीगीरी... तीन किमी तक लेटकर आंदोलन, सड़क पर बैठकर अफसरों को सुनाई खूब खरी-खोटी

मुजफ्फरनगर , एजेंसी। मुजफ्फरनगर के चरथावल में विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू की पंचायत में अफसरों के नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने लेटकर जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। एसडीएम सदर निकिता शर्मा और सीओ राजू कुमार साव ने किसानों के काफिले को रोककर समस्याओं के निदान का भरोसा दिया। शाम सात बजे मुजफ्फरनगर मार्ग पर एक सप्ताह में मांगों पर ठोस कार्रवाई करने सहमति के बाद धरनारत किसान शांत हुए।

पिछले आंदोलनों में आश्वासन के बावजूद किसी मुद्दे पर मांग पूरी न होने पर किसानों ने अफसरों को सड़क पर बैठाकर नाराजगी जताई। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे भाकियू युवा के मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व में पंचायत शुरू हुई। दो घंटे तक संबंधित विभाग के अफसरों के नहीं पहुंचने पर गुस्साए किसानों ने जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। किसान सड़क पर लेटकर जिला मुख्यालय की ओर बढ़े।

पूर्व पंचायत में विकास शर्मा ने कहा चरथावल-थानाभवन मुख्य मार्ग के निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री प्रयुक्त किए जाने की जांच एवं दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने, चकबंदी विभाग में किसानों का उत्पीड़न, दो बार आंदोलन के बावजूद सिकंदरपुर गांव में हिंडन नदी पर स्थायी पुल नहीं बनने, सिचाई विभाग की नहरों और

रजबहों की सफाई में घोटाले की जांच कराई जाएं। चरथावल कस्बे में मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण का रुका कार्य अफसरों और व्यापारियों के बीच हुई सहमति के मुताबिक जल्द शुरू कराया जाए।

चरथावल कस्बे में पाइप लाइन की वजह से कस्बे की तमाम सड़कों को तोड़कर गड्ढ़े बना दिए हैं। कस्बे की सड़कों को पुनः निर्माण कराया जाए। भुगतान समय से नहीं मिलने के कारण क्षेत्र के कई गांवों के किसान थानाभवन की बजाज शुगर मिल को गन्ना आपूर्ति नहीं करना चाहते हैं। उनकी व्यवस्था गन्ना विभाग दूसरी मिल के केंद्रों पर कराए।

जिला गन्ना अधिकारी संजय सिसौदिया और रोहाना और बिरालसी गन्ना समिति सचिव एसपी सिंह ने मौके पर कहा कि समस्या के संबंध में गन्ना आयुक्त लखनऊ को प्रस्ताव भिजवाया जाएगा। मंडल युवा महासचिव निखिल चौधरी, रूपक चौधरी, नगराध्यक्ष सौरभ त्यागी, राहुल त्यागी, राज सिंह ठाकुर, पप्पू राणा, सोनू ठाकुर, ग्राम अध्यक्ष ज्ञानामाजरा रूपक चौधरी आदि मौजूद रहे।

पहले दौर की वार्ता विफल

एसडीएम सदर एवं कई विभाग के अफसर चरथावल पहुंचे। उन्होंने कमला फार्म के सामने किसानों के जत्थे को रोककर समस्याएं सुनीं। लेकिन ठोस आश्वासन नहीं मिलने के कारण वार्ता विफल हो गई। पुनः किसानों का काफिला यहां से आगे बढ़ गया। सांझ ढलने और अंधेरे में पुलिस बल के साथ अफसर आगे चलते रहे। इससे पूर्व चकबंदी विभाग और सिचाई विभाग के अफसरों को सड़क पर बैठाकर प्रदर्शनकारियों ने खरी खोटी सुनाई। हिंडन पर स्थायी पुल नहीं बनने को लेकर खासी नाराजगी रही।

धरने पर दो किसानों की बिगड़ी हालत

ब्लॉक अध्यक्ष पवन त्यागी चौकड़ा एवं मनोज शर्मा महरायपुर के किसानों की हालत ठंड में बिगड़ गई। एसडीएम सदर ने दोनों को सीएचसी में उपचार के लिए भेजा। एसओसी, चकबंदी अधिकारी रामकेश, तहसीलदार सदर राधेश्याम, नायब तहसीलदार हरेंद्र पाल सिंह, राजस्व निरीक्षक प्रवीण गुप्ता आदि कई विभाग के अधिकारी काफिले के साथ मौजूद रहे। करीब सात घंटे पंचायत और प्रदर्शन में वार्ता का दौर चला। शाम देर शाम सात बजे डीसीओ के मौके पर आने के बाद सहमति बनी। किसानों की समस्याओं को एक सप्ताह में नियमानुसार पूरा कराने पर भरोसा दिया। कस्बे से तीन किलोमीटर दूर संजीवनी हॉस्पिटल के सामने हुई दूसरे दौर की वार्ता के बाद किसान लौट गए।

बॉक्सिंग डे टेस्टः

ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की अपनी प्लेइंग 11, ट्रैविड हेड हुए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इस टीम में ट्रेविस हेड को खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया है। यह बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जो ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा।

कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि उनकी टीम इस मुकाबले में दो बदलावों के साथ उतर रही है, जिसमें सैम कोन्टास नाथन मैकस्वीनी की जगह लेंगे और स्कॉट बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह पर खेलेंगे।

19 साल के कोन्टास के लिए यह खास पल होने जा रहा है क्योंकि इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने उनसे कम उम्र का टेस्ट डेब्यूटेंट साल 2011 में उतारा था। तब पैट कमिंस को 18 साल की उम्र में खेलने के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि कोन्टास ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा ओपनर होंगे और उस्मान ख्वाजा के साथ उनकी उम्र का अंतर काफी ज्यादा होगा।

वहीं, स्कॉट बोलैंड पिछले 18 महीने में भारत के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच में बढ़िया वापसी करके अपनी गेंदबाजी की धार का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि जोश हेजलवुड की चोट के चलते ही उनकी तब वापसी हुई थी। एक बार फिर से बोलैंड टीम में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए तैयार होंगे।

झउन्होंने एडिलेड टेस्ट में शानदार गेंदबाजी की थी, जिसमें कंगारूओं ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। बॉर्डर गावस्कर सीरीज के मौजूदा स्थिति की बात करें तो भारत ने पहला टेस्ट पर्थ में 295 रनों से जीता था। इसके बाद अगले पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर सीरीज बराबर की थी। तीसरा मैच बारिश से प्रभावित रहा और ड्रॉ रहा। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में खेला गया था। अब दोनों टीमें बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं।

चौथे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग

बुमराह ने 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी की

शानदार पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड 825 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि तीसरे टेस्ट में उनके हमवतन स्टीव स्मिथ के शतक ने उन्हें एक बार फिर टॉप-10 में पहुंचा दिया है।

ICC टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जसप्रीत बुमराह	इंडिया	904
2	कागिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	856
3	जोस हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	852
4	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	822
5	रविचंद्रन अश्विन	इंडिया	789
6	मैट हेनरी	न्यूजीलैंड	782
7	नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	770
8	प्रभाथ जयसूर्या	श्रीलंका	768
9	नोमान अली	पाकिस्तान	759
10	रवींद्र जडेजा	इंडिया	755

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले, भारत के लिए अश्विन ने इतने रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे। इन दोनों के अलावा कोई अन्य भारतीय यह कारनामा नहीं कर सका है।

अश्विन को इतने रेटिंग पॉइंट्स दिसंबर 2016 में मिले थे। बॉलिंग रैंकिंग में रबाडा दूसरे नंबर पर बुमराह ने अब तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीन शुरुआती मैचों में 21 विकेट लिए हैं। वे टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर बरकरार है। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा (856) इस समय दूसरे और ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड (852) तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रविंद्र जडेजा को विकेट ना मिलने से नुकसान हुआ है और वे टॉप 10 से बाहर हो गए हैं।

केएल राहुल को 10 स्थान का फायदा एडिलेड में शतक के बाद गाबा में 152 रन की

एक ही टीम में भारत-पाकिस्तान के ये खिलाड़ी, अभिषेक शर्मा बने कप्तान, पाक के दो प्लेयर्स को मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अलग-अलग देशों की क्रिकेट टीमों के अलग-अलग खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाया है. इसमें भारत के अभिषेक शर्मा-नीतीश कुमार रेड्डी से लेकर पाकिस्तान के सैम अयूब और इंग्लैंड के जैकब बेथेल तक का नाम शामिल है. हम आपके लिए साल 2024 के उन युवा और नए सितारों की बेस्ट प्लेइंग इलेवन लेकर आए हैं जिन्होंने इस साल इंटरनेशल क्रिकेट में धमाल मचाया.

साल 2024 की बेस्ट प्लेइंग इलेवन के कप्तान के तौर पर भारत के अभिषेक शर्मा चुने गए हैं. वे ओपनर भी हैं. वहीं उनके बैटिंग पार्टनर हैं पाकिस्तान के सैम अयूब. इसके बाद नंबर तीन पर इंग्लैंड की नई सनसनी 21 वर्षीय जैकब बेथेल हैं. नंबर चार पर भारत के आईपीएल स्टार रियान पराग और पांच पर पाकिस्तान के कामरान गुलाम को जगह मिली है. विकेटकीपर के रूप में इंग्लैंड के 24 वर्षीय के जेमी स्मिथ शामिल हुए. बतौर ऑल राउंडर भारत के नीतीश कुमार रेड्डी 7वें नंबर पर हैं. वहीं गेंदबाजों के रूप में आठवे नंबर पर अफगानिस्तान के अल्लाह गजनफर. नौवें नंबर पर न्यूजीलैंड के विलियम ओरुर्के, 10वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के 18 वर्षीय क्रेना मफाका और इस प्लेइंग इलेवन के अंतिम खिलाड़ी इंग्लैंड के शोएब बशीर हैं.

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे हैः शास्त्री

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो।

भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा। शास्त्री से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है। उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा। शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं । लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतेगा, इससे पहले 2018/19 और 2020/21 में भी भारत ने यहां जीत दर्ज की थी। बहुत बढ़िया। लंबे समय से किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया जब भी यहां आता है, तो वह टीमों पर भारी पड़ता है। भारत के लिए लगातार तीन सीरीज जीतना कुछ खास होगा।

लेकिन उन्हें अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट मैच में कड़ी टक्कर देगा, खासकर गेंदबाजों के साथ। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बल्लेबाजी होगी। भारत यहां जीतने के लिए आया है, वह यहां नंबर बढ़ाने के लिए नहीं आया है। जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बेहद कड़ी मेहनत, निष्पक्षता और जीत हासिल करना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका सोचना होगा, न कि सिर्फ प्रतिस्पर्धा करना। आपको सही तरीके से योजना बनानी होगी कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है।

शास्त्री ने कहा, वे ऑस्ट्रेलिया के सामने हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और जोशपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी। रविचंद्रन अश्विन के अचानक अंतरराष्ट्रीय संन्यास के बाद, शास्त्री ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम के बल्लेबाजी विभाग में जल्द ही नए चेहरे आएंगे। बल्लेबाजी विभाग में, मैं एक या दो साल में कुछ नए चेहरे देख सकता हूं। जायसवाल युवा हैं। शुभमन गिल काफी युवा हैं, ऋषभ पंत अभी भी बहुत युवा हैं। मिश्रण में काफी अन्य खिलाड़ी हैं जो बहुत जल्द आ सकते हैं।

मनु भाकर विवाद के बीच अब इस खिलाड़ी का दावा, खेल रत्न पुरस्कार में किया जा रहा भेदभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए मनु भाकर के नाम की सिफारिश नहीं किए जाने पर मचे बवाल में अब पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह की एंट्री हो गई है।

उन्होंने मंगलवार को खेल पुरस्कार देने में भेदभाव का आरोप लगाया है। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। हरविंदर ने इससे पहले टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

खेलों में भेदभाव

हरविंदर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, खेलों में भेदभाव। उन्होंने कहा, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया लेकिन पेरिस 2024 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं का क्या? वही प्रतियोगिता, वही स्वर्ण, वही गौरव - वही पुरस्कार क्यों नहीं? टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा, भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।

कोंस्टास दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि वह अच्छे हैं: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है, उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह अच्छे हैं। 19 वर्षीय कोंस्टास गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, उन्हें नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री 11 की ओर से खेलते हुए शतक बनाया था। कोंस्टास ने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, मैंने बहुत कुछ देखा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वहां बहुत प्रतिभा है। जिस तरह से उन्होंने पीएम 11 मैच में खेला (उन्होंने भारतीयों के खिलाफ 107 रन बनाए), जिस तरह से वह उस रात अपने पहले बीबीएल गेम

में खेलने में सक्षम थे। मुझे पता है कि यह अलग-अलग प्रारूप हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि प्रतिभा वहां है और इसके साथ थोड़ा रवैया भी है। यह कोई बुरा रवैया नहीं है, (लेकिन) ऐसा रवैया है कि वह जानता है कि वह अच्छा है और वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह अच्छा है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ कोंस्टास के सामने आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, अभी भी एक चुनौती है। यह एक टेस्ट मैच है।

यह आपका पहला टेस्ट मैच है। आप दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेल रहे हैं। विश्व क्रिकेट में शायद इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। यह किसी भी अन्य देश की तरह है जो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण कर रहा है, जब आपके पास स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड हैं।

बुमराह निश्चित रूप से इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे अलग और शायद अग्रणी तेज गेंदबाज रहे हैं। इसलिए कोंस्टास के लिए वहां एक बड़ी चुनौती होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता एथलीट हिमा दास पर 16 माह का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था। नाडा की टीम तीन बार उनके दिए पते पर सैंपल लेने पहुंची, लेकिन तीनों ही बार वह नहीं मिलीं।

जकार्ता एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली देश की स्टार एथलीट हिमा दास पर व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए ठिकाने का पता नहीं बताना) के लिए 16 माह का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर यह प्रतिबंध 22 जुलाई, 2023 से लगाया गया है। विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने हिमा पर मामले के आपसी समाधान समझौते के तहत यह प्रतिबंध लगाया है। वरना उन पर दो वर्ष का भी प्रतिबंध लग सकता था। हालांकि इस प्रतिबंध की अवधि इस वर्ष 22 नवंबर को समाप्त हो गई है।

हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था।

235 रन ठोकने वाले केएल राहुल को ओपनिंग से हटाया

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः

नईदिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल अब ओपनिंग नहीं करेंगे? टीम में गिल की पोजिशन भी छिन जाएगी? बेशक इन बातों पर आप यकीन करें या नहीं, लेकिन जो उड़ती-उड़ती खबर आ रही है, वो ऐसा होने के संकेत दे रहे हैं. खबरों के मुताबिक, मेलबर्न में खेले जाने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में केएल राहुल, सीरीज के पिछले 3 टेस्ट की तरह पारी की शुरुआत नहीं करते दिख सकते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि स्क्रिप्ट पर यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा के ओपन करने की खबरें

चल रही हैं. वहीं केएल राहुल को लेकर कहा जा रहा है कि वो नंबर तीन पर बैटिंग कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक नंबर 3 पर शुभमन गिल खेलते दिख रहे थे. लेकिन, मेलबर्न में राहुल के नंबर तीन पर खेलने की खबर का मतलब है कि गिल से उनकी पोजिशन का छिन जाना. शुभमन गिल हो सकता है तब नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते दिखें. वैसे, इससे उतना फर्क नहीं पड़ने वाला जितना असर केएल राहुल को ओपनिंग से हटाकर दिखने वाला है. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ से ब्रिसबेन तक खेले पहले 3 टेस्ट में केएल राहुल ने हरेक में पारी की शुरुआत यानी कि ओपनिंग की है. इन 3 टेस्ट की 6 पारियों में 47 की औसत से उन्होंने 235 रन बनाए हैं. ऐसा कर वो मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. वहीं, सीरीज में ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वो ट्रेविस हेड के बाद दूसरे नंबर के बल्लेबाज हैं.

अब जैसी की खबरें हैं कि केएल राहुल नंबर 3 पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेल सकते हैं, तो आइए जान लेते हैं कि इस पोजिशन पर टेस्ट में उनका रिकॉर्ड कैसा है? राहुल ने नंबर पर कुल 5 पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 17.60 की औसत से 88 रन बनाए हैं. ये टॉप के किसी भी बैटिंग ऑर्डर पर उनका सबसे बेकार रिकॉर्ड तो है ही.